

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक



दिल्ली क्राइम

व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA



RNI No. DELHIN/2005/15378

DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005

वर्ष-21

01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक

अंक -19, 20

पृष्ठ-8

मूल्य-10रु

कोल्डिफ समेत तीन कफ सिरप का उत्पादन बंद,

भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ को भेजा जवाब

नई दिल्ली। सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े मामलों पर बढ़ती चिंताओं के बीच भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित किया है कि तीन कफ सिरप, कोल्डिफ, रेस्पिफ्रेश-टीओ और रिलाइफ को बाजार से वापस मंगाया गया है और उनके उत्पादन पर रोक लगा दी गई है। सीडीएससीओ ने बताया कि इन दवाओं का भारत से किसी भी देश में निर्यात नहीं किया गया है। यह जानकारी डब्ल्यूएचओ को भेजे गए जवाब में दी गई है। गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में भारत से स्पष्टीकरण मांगा था कि क्या ये कफ सिरप अन्य देशों में भी भेजे गए थे, क्योंकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के कुछ मामलों में इनके सेवन का जिक्र सामने आया था। बताया गया कि इन बच्चों में एक्जेंट रिनल फेल्यूर और एक्जेंट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम जैसे लक्षण पाए गए थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वह इन घटनाओं की गहन निगरानी कर रहा है और डीईजी या अन्य विषाक्त तत्वों से संभावित प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने भारत में दवाओं की सुरक्षा स्क्रीनिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को और सख्त करने की सलाह दी है। इस बीच, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स को निर्देश जारी किए हैं कि बाजार में जारी किए जाने से पहले कच्चे माल और तैयार दवाओं का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। एडवाइजरी में कहा गया है कि हालिया जांचों में कुछ कफ सिरपों को मानक गुणवत्ता से कमतर पाया गया और कुछ कंपनियों ने रॉ मैटेरियल को टेस्टिंग मानकों के अनुरूप नहीं की थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि सरकार इस पूरे मामले में शून्य सहनशीलता नीति अपना रही है और दोषी दवा निमाताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में जितनी भी सीटें मिलेंगी, उतने पर ही लड़ेंगे चुनाव: जीतन मांझी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारे पर अंतिम फैसले से पहले दिल्ली में बैठकों का दौर जारी है। एनडीए के घटक दलों के नेता भी दिल्ली में जुटे हैं। इससे पहले, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर कार ग्रुप की बैठक होगी, जबकि चिराग पासवान की अध्यक्षता में दिल्ली में लोजपा रामविलास के संसदीय बोर्ड की बैठक रखी गई है। इसी बीच पूर्व सीएम और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने कहा है कि जितनी सीटें मिलेंगी, उतने पर ही लड़ेंगे। एनडीए में सीट बंटवारे पर मांझी ने कहा कि दिल्ली में बैठक है, हम वहीं जा रहे हैं। आखिरी फैसला वहीं होगा। एनडीए के घटक दलों के नेता दिल्ली पहुंच रहे हैं। जेपी नड्डा जिन्होंने कहा कि सब कुछ फाइनल हो गया लेकिन जीतन मांझी ने कहा कि वह राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। अगर वह बोल रहे हैं तो उनकी बात को मानना पड़ेगा। सीटों की मांग पर जीतन मांझी ने कहा कि हम अनुशासित लोग हैं। जो सीटें मिलेंगी उन्हीं पर चुनाव लड़ेंगे। इस बीच बीजेपी की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में बीजेपी ने तीन दिनों तक चुनाव समिति की बैठकें कीं। समिति ने हमारी मौजूदा सीटों और 2020 में हारे हुए निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता वाले पैलर तैयार किए हैं। बिहार चुनाव समिति ने पैलर को अंतिम रूप दिया गया, जिस पर दिल्ली में दिन भर चर्चा जारी रहेगी। उसके बाद र-विचार को केंद्रीय चुनाव समिति में सूची को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए में सब कुछ ठीक है। केंद्रीय नेतृत्व एक साथ बैठेगा और अंतिम सीट बंटवारे की घोषणा करेगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का कहना है कि सभी पार्टियों से बातचीत समाप्त की ओर है। सभी घटक दलों के नेता बातचीत कर रहे हैं। पार्टी के अंदर मंथन चल रहा है और जल्द ही सब बातें आपके सामने आ जाएंगी। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा बिहार चुनाव में एनडीए की जीत का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में एकतरफा चुनाव है। लोगों का मन-मिजाज बना हुआ है। वह एनडीए गठबंधन और नीतीश कुमार के चेहरे पर वोट देने वाले हैं।



ANIL SETHI
MARKETING HEAD

HAPPY DIWALI

॥ शुभ प्रसन्नता ॥

आप सभी देशवासियों को
दिल्ली क्राइम प्रेस परिवार की तरफ
से धनतेरस, दीपावली गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं।

NARENDER KUMAR
CHIEF EDITOR

सराय काले खां स्टेशन बना दिल्ली का पहला मल्टी-मॉडल हब



नई दिल्ली। दिल्ली का सराय काले खां स्टेशन देश का पहला मल्टी-मॉडल हब बन गया। जिससे दिल्ली-मेरठ की यात्रा अब सिर्फ 60 मिनट में पूरी होगी दिल्ली-मेरठ के बीच चलने वाली नमो भारत ट्रेन अब सराय काले खां स्टेशन से शुरू होने के लिए तैयार है, और उम्मीद है कि इस हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे हरी झंडी दिखाएंगे। यह वही स्थान है जहां से देश का पहला रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर शुरू होगा। खास बात यह है कि यह सिर्फ एक स्टेशन नहीं, बल्कि दिल्ली का पहला मल्टी-मॉडल हब बनने जा रहा है, जहां यात्रियों को रेलवे, मेट्रो और बस तीनों सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। सराय काले खां स्टेशन हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी से सीधे वांके और फुटओवर ब्रिज के जरिए जुड़ा हुआ है। यात्री यहां उतरकर मेरठ या गाजियाबाद की दिशा में आसानी से मेट्रो या बस से दिल्ली के किसी भी हिस्से तक जा सकेंगे। नमो भारत ट्रेनें औसतन 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी

और अधिकतम 160 किमी प्रति घंटा तक जा सकती हैं। इससे दिल्ली से मेरठ की यात्रा सिर्फ 60 मिनट में पूरी होगी, जबकि सड़क मार्ग से यह दो से ढाई घंटे लगते हैं। स्टेशन में एस्केलेटर, लिफ्ट, सीसीटीवी, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर और डिजिटल गाइडेंस सिस्टम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्टेशन का डिजाइन पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल है। इसमें सोलर पैनल, जल पुनर्चक्रण प्रणाली और ऊर्जा बचत वाले उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है। स्टेशन के ऊपर ऑफिस, होटल और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना भी है। मेक इन इंडिया के तहत इस कॉरिडोर पर दौड़ने वाली सभी नमो भारत ट्रेनें देश में बनी हैं। ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है और अब इन्हें जनता के लिए शुरू करने की तैयारी है। इस स्टेशन के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर की यात्रा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा और यह आने वाले समय में अन्य रैपिड रेल कॉरिडोरों के लिए केंद्रीय कनेक्शन पॉइंट भी बनेगा।

भारत का लक्ष्य वर्ष 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि हासिल करना है: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान के लिए सभी हितधारकों का आभार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सरकार के लक्ष्य को दोहराया है। आज नई दिल्ली में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें



वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया। गडकरी ने कहा कि भौतिक प्रगति के साथ

ही राष्ट्रीय विकास में तीन प्रमुख स्तंभों-नैतिकता, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी/पर्यावरण का मार्गदर्शन रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए नैतिक मूल्य आवश्यक हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रों के बीच एकीकृत सोच, समन्वय और सहयोग के महत्व पर बल दिया। गडकरी ने

कहा कि जब वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने कार्यभार संभाला था, तब भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग 14 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ विश्व में सातवें स्थान पर था पर आज 22 लाख करोड़ रुपये के उद्योग आकार के साथ वह जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है।

दिल्ली में अब नई जगह बैठेगी सरकार, जल्द बदल जाएगा पता एक ही छत के नीचे सारे विभाग

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि नया सचिवालय दिल्ली प्रशासन के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल सरकार के कामकाज को एक जगह समेटेगा, बल्कि दिल्ली की पहचान को भी नई ऊंचाई देगा। दिल्ली सरकार अब अपना नया और आधुनिक सचिवालय बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इस काम के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने राजधानी में छह संभावित स्थानों को चिन्हित किया है। इनमें आईपी पावर स्टेशन, राजघाट पावर प्लांट, गुलाबी बाग, खैबर पास, आईटीओ बस डिपो और आईटीओ स्थित दिवन टावर शामिल हैं इन्हीं में से एक जगह को कैबिनेट द्वारा चुना जाएगा, जिसके बाद निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसी वर्ष अगस्त में घोषणा की थी कि दिल्ली को जल्द ही एक ऐसा आधुनिक



सचिवालय मिलेगा, जहां दिल्ली सरकार के सभी विभाग एक ही छत के नीचे काम करेंगे। उन्होंने कहा था कि यह सचिवालय सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की तर्ज पर तैयार किया जाएगा, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं, पर्यावरण के अनुकूल भवन निर्माण और डिजिटल कामकाज की व्यवस्था होगी। वर्तमान में दिल्ली सरकार के ज्यादातर विभाग शहर के अलग-अलग इलाकों में फैले हुए हैं। कई दफ्तर पुराने भवनों में काम कर रहे हैं, जिनमें जगह की कमी, पार्किंग

की समस्या और सुविधाओं की कमी जैसी परेशानियां हैं। ऐसे में एक केंद्रीकृत सचिवालय बनने से न सिर्फ सरकारी कामकाज में तेजी आएगी, बल्कि जनता को भी अलग-अलग जगह भटकने से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा की टीम ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों का सर्वे किया और छह जगहों को संभावित रूप से चुना है। इनमें से कुछ स्थान जैसे राजघाट पावर प्लांट और आईपी स्टेशन लंबे समय से बंद पड़े हैं

और वहां पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। फिलहाल आईटीओ क्षेत्र को भी इसलिए उपयुक्त माना जा रहा है क्योंकि यह दिल्ली प्रशासन का केंद्र है और सभी विभागों के करीब है। सूत्रों की माने तो नया सचिवालय अत्याधुनिक भवन निर्माण तकनीकी से तैयार किया जाएगा, जिसमें पर्यावरण अनुकूल सामग्री, सोलर ऊर्जा, हरित क्षेत्र और डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं होंगी। सचिवालय में मंत्रियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधुनिक दफ्तरों के साथ जनता के लिए भी बेहतरीन सेवाओं की व्यवस्था होगी। सरकार की योजना है कि सचिवालय निर्माण का निर्णय वर्ष 2025 के अंत तक ले लिया जाए और 2026 में इसका शिलान्यास किया जा सके। इसके साथ ही दिल्ली एक नए दौर में प्रवेश करेगी, जहां प्रशासन, सुविधा और विकास एक ही छत के नीचे दिखाई देंगे।

दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा एन.जी.ओ के दिल्ली हैड बनाये गये अभिषेक कुमार

प्रेम नगर-3, किराड़ी, दिल्ली-110086 में दिल्ली क्राइम एन जी ओ के शानदार उद्घाटन के दौरान हमारे दिल्ली क्राइम प्रेस के संस्थापक श्री अनिल सेठी जी (एन.जी.ओ. प्रेसिडेंट), श्री राजकुमार कश्यप जी, (एन.जी.ओ. नेशनल सेक्रेटरी), मिनाक्षी निगम जी, एन.जी.ओ नेशनल कोर्डिनेटर पूनम शर्मा एन.जी.ओ की सोशल वर्कर, एन.जी.ओ और प्रेस के ऑर्गैनेशन हेड श्री मुकेश गुप्ता गुरुग्राम से रिपोर्टर अशोक कुमार, रिचा गुप्ता जी उद्घाटन के समय उपस्थित रहे, और अभिषेक जी के कुछ खास लोग जो उनके कार्यक्रम में आकर शोभा बढ़ाई जैसे की दिल्ली क्राइम प्रेस एंड नेशनल एन.जी.ओ. के लीडर श्री आशीष कुमार जी, किराड़ी के माननीय प्रधान फैजुला रेहमानी जी, राहुल कुमार सिंह जी, मनोज सिंह जी, राहुल जी, अंकित शर्मा जी, श्री डॉ. बिरेन्द्र कुमार शर्मा जी, श्री महेश चंद्र शर्मा जी, मिस्टर आदर्श ठाकुर जी, मिस्टर हर्ष ठाकुर



जी, मिस्टर विनय कुमार गुप्ता जी, मिस्टर जो की शुभ समय पर उपस्थित रहे! प्रिंस कुमार गुप्ता जी, मिस्टर नविन जी, प्रोग्राम के दौरान दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ के प्रेजिडेंट श्री अनिल सेठी जी और

नेशनल सेक्रेटरी श्री राज कुमार कश्यप जी के द्वारा अभिषेक कुमार और उनकी टीम को दिशा निर्देश भी दिये गये कैसे अब आप दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ के इस ऑफिस के द्वारा अपनी आवाज को बुलंद कर सकते हो कैसे अपनी गली मोहल्ले की, अपने आसपास के समस्याओं को, और लोगों की कैसे हेल्प कर सकते हो और साथ ही साथ अनिल सेठी जी ने अभिषेक जी को आगामी आने वाले प्रोग्राम के बारे में भी अवगत करवाया की कैसे हमें अब एन.जी.ओ को आगे लेकर जाना है इसके लिए उन्होंने जल्दी ही अगली मीटिंग के लिए भी उनको बताया दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ और प्रेस के ऑर्गैनेशन हेड मुकेश गुप्ता और प्रेस रिपोर्टर अशोक कुमार ने भी अभिषेक कुमार को दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ के शानदार ऑफिस के लिए और उनके स्टेट हेड बनने पर शुभकामनाएं और बधाई दी और साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया

नई दिल्ली। दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी के कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार ने इस वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया है, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े सभी व्यापारियों को तब समय सीमा में जीएसटी रिफंड देने के लिए उनकी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरित होकर ह्राइज ऑफ ड्रिंग बिजनेसस की नीति पर गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार बड़े बाजारों के पुनर्विकास की योजनाओं पर काम कर रही है और व्यापारियों की समस्याओं को हल करने के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जब व्यापारियों को कारोबार चलाने में आसानी होगी, तभी विकसित दिल्ली का



सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकारों ने जीएसटी रिफंड प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं लिया था, जिससे लंबित रिफंड बढ़ते गए। लेकिन उनकी सरकार ने इसे प्राथमिकता दी और आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और तेज जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड

आवेदन तेजी से निपटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वित्त वर्ष में अप्रैल से अब तक 7375 रिफंड आवेदनों का निपटारा कर 694 करोड़ रुपये की राशि व्यापारियों के खातों में जमा कर दी है। इसके साथ ही सितंबर माह में अकेले 227 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक रिफंड रिकॉर्ड है।

सम्पादकीय



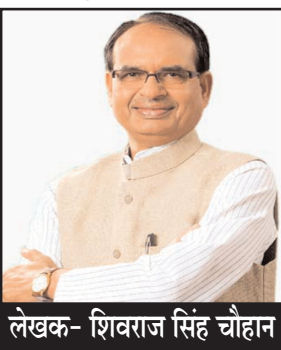
मध्यप्रदेश में जाति नहीं विकास है मुद्दा

देश के प्रत्येक राज्यों की अपनी राजनीति है कहीं मराठी अस्मिता, तो कहीं बिहारी अस्मिता, तो कहीं तमिल अस्मिता तो कहीं भाषायी अस्मिता तो कहीं क्षेत्रवाद हावी है। देश में बुनियादी मुद्दों पर वोटिंग बहुत कम ही होती है। जनता खेमों में उलझी हुई है, अगर देश के राज्यों में देखें तो सभी के अपने - अपने मुद्दे हैं, कोई किसी विवाद में उलझा हुआ है तो कोई किसी मुद्दे पर वही देश के विभिन्न राज्यों का राजनीतिक अध्ययन करें तो पता चलता है कि सभी राज्यों में जातिगत आधार पर राजनीति होती है। जातीय समीकरण तहत राजनीति होती है भले ही राज्य का बंटोपार हो जाए। भारत गणराज्य के विभिन्न राज्यों में एक ऐसा भी राज्य है जिसे हिन्दुस्तान का हृदय कहते हैं, जो किसी भी तरह की जातिगत राजनीति को खारिज कर देता है। एमपी में जातीय राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं है। पिछले दो दशकों से अधिक एमपी की कमान संभालने वाले नेता शिवराज सिंह चौहान ओबीसी वर्ग से आते हैं, परंतु पूरे राज्य में कुछ राजनीतिक लोगों एवं पत्रकारों के अलावा राज्य में किसी को पता ही नहीं है कि शिवराज सिंह चौहान ओबीसी वर्ग से आते हैं, आज भी एमपी में नेताओं का सर्वे किया जाए तो एमपी के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में शुमार हैं। ओबीसी, स्वर्ण, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक किसी भी वर्ग में आज भी शिवराज सिंह चौहान को एमपी का सबसे लोकप्रिय नेता माना जाता है लेकिन शिवराज सिंह चौहान की राजनीतिक सफलता एवं उनका काम करने का ढंग प्रदेश को जातीय राजनीतिक दलदल से बचाए हुए था, परंतु अब एमपी की सरकार अपनी महत्वाकांक्षा के कारण एमपी की जातीय दलदल में उलझना चाहती है। विडंबना कहें या एमपी का दुर्भाग्य कि एक ओर हम जातीय अभिशाप से बाहर निकलने के लिए हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी ओर सत्ता के लालच में एक ही झटके में दशकों पीछे धकेलने के कुत्सित आगे बढ़ रहे हैं। कुर्सी की चाह में दुबे दल और नेताओं को यह भान होना चाहिए कि जिस जाति की आग को भड़काकर वह राजनीति की रोटियां सेकना चाहते हैं उसे शांत करने में समाज के हर वर्ग और धर्म की समाज सुधारकों ने बड़ा त्याग किया है। कितना दुःख है जो जाति समस्या इतिहास की बात हो जानी चाहिए थी वह हर चुनाव में पहले से अधिक विकराल रूप में दिखाई देने लगी है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि जातियों के आधार पर चुनाव जीतना सबसे आसान है, और मुश्किल चुनाव कोई लड़ना इतनी शुचिता वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कहां देखने को मिलेगी। एमपी में अचानक से ओबीसी को न्याय दिलाने के नाम पर आरक्षण को लागू करने के लिए एमपी में अलग ही बहस छिड़ गई है, क्या शिवराज सिंह चौहान ओबीसी नहीं हैं? क्या एमपी में एक ओबीसी नेता लगभग दो दशकों तक राज्य का सीएम नहीं रहा? तो फिर एमपी में ओबीसी के नाम पर आरक्षण की राजनीति क्यों खेली जा रही है। यूपी बिहार जैसे राज्य आज भी जातीय दलदल में फंसे हुए हैं, उनका विकास देखा जा सकता है, देश के सबसे गरीब राज्यों में आते हैं। जब शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की कमान संभाली थी, तब प्रदेश को बीमार राज्य कहा जाता था, परंतु आज एमपी एक विकासशील राज्यों की फेहरिस्त में आता है, चूंकि शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की राजनीति की। उनकी यही अदा मध्यप्रदेश का सबसे लोकप्रिय नेता बनाती है। कमलनाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 13% से 27% बढ़ाया था, कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक हो जाने के कारण मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। आरक्षण लागू होता या नहीं विषय ये नहीं है, परंतु मुद्दा ये है कि एमपी को अपनी महत्वाकांक्षा की प्रयोगशाला क्यों बनाया जा रहा है। सवाल आरक्षण का नहीं है बल्कि सोच का है! क्या सरकारें आरक्षण की राजनीति कुचक्र में लोगों को उलझाकर अपना वोट बैंक बनाना चाहती हैं? यूपी बिहार जैसे राज्य पहले ही जातीय दलदल में उलझे हुए हैं, तो क्या एमपी को भी जातीय दलदल में फंसाने का राजनीतिक कुचक्र चल रहा है? क्या ऐसी नीतियां नहीं बनाई जा सकती कि सभी को समान अधिकार मिलें, आरक्षण बढ़ जाए, परंतु आर्थिक आधार पर मिलना चाहिए जिससे जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके।

- नरेंद्र कुमार

बार-बार अग्नि परीक्षा देते नरेन्द्र मोदी

तमाम राजनीतिक उतार-चढ़ाव और चुनौतियों के बीच नरेन्द्र मोदी नवीं अविचल बने हुए हैं। राजनीतिक खींचा-तानी के बीच यह असाधारण घटना है और अकादमिक दुनिया के लिए शोध का विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संवैधानिक पद पर रहते हुए 25वें वर्ष में प्रवेश कर गए हैं। वैसे तो उनके जनसेवा के कार्य की अवधि अधिक लंबी है। लेकिन, संवैधानिक पद पर रहते हुए जनसेवा के कार्य में 24वीं वर्षगांठ पूरी करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों का आभार व्यक्त किया है। एक दिन पहले की बात है। सात अक्टूबर की सुबह उन्होंने एक्स पर लिखा, इसी दिन 2001 में मैंने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। आज मैं सरकार के मुखिया के तौर पर जनता की सेवा के अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूँ। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह उपलब्धि भारत की जनता का एक बड़ा आशीर्वाद है। उन्होंने आगे कहा, इन वर्षों के हर एक दिन और हर पल मैंने अपने देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने एवं उनके विकास के लिए समर्पण के साथ काम करने का प्रयास किया है। इस दौरान नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल की विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में कई ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया गया है। हमारे युवाओं, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। गरीबों के प्रति संवेदनशील सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है। भारत दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के बीच आशा की किरण बनकर उभर रहा है और स्वदेशी का आह्वान हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का मूल मंत्र बनाता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों का ध्यान एक जरूरी बात की तरफ दिलाया। उन्होंने देश की जनता को विश्वास दिलाया कि वे संविधान के प्रत्येक शब्द और भावना को अपना आदर्श मानकर विकास के सपने को साकार करने के लिए पूरे समर्पण के साथ प्रयास करते रहेंगे। यह नहीं भूलना चाहिए कि ढाई दशक पहले एक चुनौतीपूर्ण वातावरण के बीच नरेन्द्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया था। वह मुश्किल भरा वक्त था। राज्य की अर्थव्यवस्था विनाशकारी भूकंप के नीचे दबी हुई थी।



लेखक- शिवराज सिंह चौहान

-किसानों की आह बढ़ाने का काम करेगी जीएसटी की नई दरें किसान कल्याण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खेती सरल हो, उत्पादन की लागत घटे और किसान को अधिक मुनाफा हो, इसके लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। अल्पसंख्यकों का जीवन बदलना और कृषि को विकसित बनाना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लक्ष्य भी है और संकल्प भी। उनके निर्णयों, नीतियों और योजनाओं के केंद्र में हमेशा किसान रहते हैं। हाल ही में जीएसटी परिषद द्वारा किए गए संशोधन इसी किसान हिस्से की सोच को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जीएसटी में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म

का जो संकल्प लिया था आज वह नए भारत की समृद्धि का आधार बन रहा है। देश की आम जनता और किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जीएसटी दरों में व्यापक सुधार किए गए हैं। यह सुधार हमारी कृषि व्यवस्था को गति और किसानों को प्रतिदिन देते वाले हैं। इन सुधारों से देश के 10 करोड़ से अधिक सीमांत किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले जहां कृषि उपकरणों पर 18% तक जीएसटी देना पड़ता था, अब यह दर घटकर केवल 5% कर दी गई है। इसका मतलब है कि हर किसान की जेब में हजारों रुपये की सीधी बचत होगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई किसान 35 हॉर्सपावर का ट्रैक्टर खरीदता था तो पहले उसे लगभग 6.5 लाख रुपये (अनुमानित) खर्च करने पड़ते थे। अब यही ट्रैक्टर पहले 6.09 लाख रुपये में मिलेगा और किसान को लगभग 41 हजार रुपये की बचत होगी। 45 एचपी ट्रैक्टर पर करीब 45 हजार रुपये और 50 एचपी ट्रैक्टर पर 53 हजार रुपये की सीधी बचत होगी। 175 एचपी ट्रैक्टर पर किसानों को लगभग 63 हजार रुपये का लाभ होगा। सिर्फ ट्रैक्टर ही नहीं, पावर टिलर पर करीब 12 हजार, धान रोपण यंत्र

पर 15 हजार और श्रेयर पर लगभग 14 हजार रुपये की बचत होगी। पावर बीडर और सीड-ड्रिल जैसे उपकरणों पर भी 5 से 10 हजार रुपये तक की बचत होगी। नए सुधारों से कटाई और बुवाई की बड़ी मशीनों भी किसानों को सस्ते दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी। 14 फीट कटर बार पर लगभग 1.87 लाख रुपये, स्वचालित बार पर लगभग 94 हजार रुपये और स्ट्रॉरीयर पर करीब 22 हजार रुपये किसानों की जेब में बचेगी। मल्ट्रर, सुपरसीडर, हैपीसीडर और सोयर भी अब पहले से सस्ते हो गए हैं। कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए मशीनीकरण आवश्यक है। रियल्टर, ड्रिपरिगेशन, कटाई मशीन, हाइड्रोलिक पंप और कलपुर्जों पर टैक्स घटने से अब सीमांत किसान भी आसानी से आधुनिक उपकरण खरीद पाएंगे। इससे श्रम लागत कम होगी, समय बचेगा और उत्पादकता बढ़ेगी। खेती के खर्च में कमी आने से स्वाभाविक रूप से किसान की आमदनी में वृद्धि होगी। ये अनुमानित कीमतें हैं। कंपनियों और राज्यों की नीतियों के आधार पर थोड़ी-बहुत भिन्नता संभव है, लेकिन यह तथ्य है कि किसानों की लागत घटेगी और फायदा निश्चित मिलेगा। हमारा हर

कदम किसानों की समृद्धि के लिए है। किसानों को घटी हुई दरों का लाभ तुरंत मिले, इसके लिए मैंने कृषि मशीन निमातों के संघों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। यह सुधार केवल किसानों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की आर्थिक संयन्त्रता और आत्मनिर्भरता के लिए अभिनंदनीय कदम है। कृषि की लागत घटने से किसान अपनी उपज से अधिक लाभ कमा पाएंगे जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि होगी। इसका कारगर असर लगेगा और कुटीर उद्योगों पर भी पड़ेगा, क्योंकि उन्हें कच्चा माल सस्ते में उपलब्ध होगा और उत्पादन लागत घटेगी। साथ ही एमएसएमडी क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। मधुमक्खी पालन, डेयरी, पशुपालन और सहायक समितियों को ऋद्ध में जोड़ दी गई है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई समृद्धि आएगी। जब किसानों के खर्च कम होंगे और उनकी आय बढ़ेगी तो वे अपनी जीविकपैली, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक निवेश कर सकेंगे, जिससे जीवन का चहुँमुखी विकास संभव होगा।

अपूर्णता से पूर्णता की ओर



मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे झड़वर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्नाली जैसी वीरगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भृगुहिर जैसी विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कायुकता का र्फक भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पड़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढरा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, व्यक्तियों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गहर्षियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणों में दुर्गहर्ष उजड़ते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्तियों के जीवन में जो कुछ उच्छृङ्खल-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निधन, योग-निरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठ और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय उसे पहले मनुष्य की मनोरंजि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां उसी दिशा में चलने लगेंगी हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

प्रसंगतः हुन पुरानी कथा है। किसी गाँव में एक बड़ा ही होशियार लड़का रहता था। वह नई-नई चीजें सीखने में लगा रहता था। उसने एक तीर बनाने वाले से तीर बनाना सीखा, नाव बनाने वाले से नाव बनाने की कला सीखी। मूर्ति बनाने से मूर्तिकला की जानकारी हासिल की। इस तरह धीरे-धीरे वह एक के बाद एक बहुत सी कलाएं सीख गया। लेकिन उसे इस बात का अहंकार हो गया। वह हमेशा सबसे कटका फिरता, 'मेरे बराबर दुनिया में कोई गुणवान नहीं है।' संयोग से उन्हीं दिनों गौतम बुद्ध धूमते हुए वहां आ पहुंचे। उन्हें जब लड़के के बारे में पता चला तो वह भिक्षापात्र लेकर उसके पास पहुंच गए। लड़के ने उन्हें देखकर पूछा, 'आप कौन हैं?' बुद्ध ने उत्तर दिया, 'मैं अपने शरीर को काल् में रखने वाला एक आदमी हूँ।' लड़का उनकी बात समझ नहीं पाया और बोला, 'मैं आपकी बात का मतलब नहीं समझा। कृपा करके विस्तारपूर्वक समझाएं।' इस पर बुद्ध ने कहा, 'देखो, जो तीर बनाता जानता है, वह तीर बनाता है, जो नाव चलाता जानता है, वह नाव चलाता है और जो मूर्ति बनाता जानता है वह मूर्ति बनाता है। लेकिन जो ज्ञानी है, वह अपने उपर शासन करता है।' लड़के ने पूछा 'वह कैसे?' बुद्ध ने जवाब दिया, 'आगर कोई उसकी प्रशंसा करता है तो उसका मन चंचल नहीं होता। अगर कोई उसकी निंदा करता है तो भी वह शांत रहता है।' ऐसा आदमी हमेशा सुखी रहता है। यह सबसे बड़ी कला है।' लड़का उसका आश्चर्य समझ गया। उसने वचन दिया कि वह अपने भीतर से अपना अहंकार निकाल बाहर करेगा।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव



लेखक - ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और सत्ता परिवर्तन का निर्णय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सिवाय मतदान तक कोई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी युद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जन्मनी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जड़ों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ते को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सांझा जागृता का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे। राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई नया बिहार बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई विकसित बिहार का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार



का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहते और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी सुशासन बाबू की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है।

वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेकमा और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पृष्ठ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में है। विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए और महागठबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार और पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य

की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने। बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज, तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उषेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशोर की पार्टी उनके दावे के अनुरूप प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते हैं। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही ऐसे में यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं?

यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है जो भी दल इस वास्तविकता को समझे, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा। आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं

रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस मामले पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लेगा। वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबात लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनदेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता जाति नहीं, न्याय को चुने; वादा नहीं, विश्वास को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कदम-अब की बार, सुशासन और सुधार।

नारी श्रद्धा और प्रेम का अमर पर्व करवा चौथ



लेखक- योगेश कुमार गोयल

भारत की गौरवशाली संस्कृति में करवा चौथ पर्व का विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है ढाकरवा चौथव्रत, जो इस वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी

सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कतिपय कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कटिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्वाहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कटिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरंतर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इच्छा उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी

आजकल तो कुछ पुरुष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कटिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिग्भर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगीं। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का

सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार करवा चौथ व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होकर नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियां ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चाद्विनाश की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यह हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और

श्रीकृष्ण को अपने मन की व्था बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत हृदय में आने वाली तमाम छोट्टी-बड़्टी गथाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बातना का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की। भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के पुत्र पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब सती पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अमलें दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया और वह दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और

सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया। यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें करवा चौथ व्रत रखने लगीं। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं। इस पर्व की शुरुआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है।

रूसी सेना में शामिल गुजरात के युवक ने किया यूक्रेन के सामने सरेंडर

कीव। रूस की तरफ से कई भारतीय युवक यूक्रेन से जंग लड़ रहे हैं, इसमें से कुछ की मौत होने की खबरें सुनाई देती रही हैं। इसी बीच अब एक और खबर आई कि गुजरात के एक युवक ने यूक्रेनी सेना के सामने खुद को स-रेंडर कर दिया। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने अपने चैनल पर एक भारतीय नागरिक का वीडियो जारी किया जिसने खुद को गुजरात निवासी मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन बताया। हालांकि अभी इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि भारत ने रूस से रूसी सेना में सेवाएं दे रहे 27 भारतीय नागरिकों को मुक्त करने और स्वदेश वापस भेजने का पुरजोर आग्रह किया है। भारत बार-बार रूस से अनुरोध करता रहा है कि वह रूसी सैन्य इकाइयों में सहायक कर्मचारी (जैसे रसोइये और सहायक) के रूप में काम कर रहे सभी भारतीयों को मुक्त करे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कीव स्थित भारतीय दूतावास इस खबर की सत्यता की जांच कर रहा



है। उन्होंने बताया कि इस मामले में यूक्रेनी अधिकारियों से अभी तक कोई औपचारिक सूचना भी नहीं मिली है। यूक्रेनी सेना के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि 22 वर्षीय हुसैन रूस की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने आया था। सेना की ओर से जारी वीडियो में हुसैन ने कहा कि उसे मादक पदार्थों से संबंधित आरोपों में सात साल की सजा सुनाई गई थी। आगे की सजा से बचने के लिए उसे रूसी सेना के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर दिया गया था। हुसैन ने कहा कि मैं जेल में नहीं रहना चाहता था इसलिए मैंने विशेष सैन्य अभियान के

लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। लेकिन मैं वहां से बाहर निकलना चाहता था। हुसैन को 16 दिनों के प्रशिक्षण के बाद एक अक्टूबर को अपने पहले लड़ाकू मिशन पर भेजा गया, जो तीन दिनों तक चला। उसने कहा कि अपने कमांडर से झगड़े के बाद उसने यूक्रेनी सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसने वीडियो में कहा कि मैं लगभग दो-तीन किलोमीटर दूर एक यूक्रेनी खाई में पहुंचा। मैंने तुरंत अपनी राइफल नीचे रख दी और कहा कि मैं लड़ना नहीं चाहता। मुझे मदद चाहिए। मैं रूस वापस नहीं जाना चाहता।

ट्रंप ने फिर लगाई नोबल की रट, बोले- टैरिफ की ताकत से रुकवाए कई युद्ध

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास यूं तो एक सुपरपावर को चलाने की ताकत है, लेकिन नोबल पुरस्कार के चक्कर में कुछ भी बयान दे रहे हैं। उन्होंने फिर शांत कराने का दावा शुरू कर दिया है। इसकी वजह ये है कि इस साल के नोबल पुरस्कारों की घोषणा होनी शुरू हो गई है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में दिया जाता है। अब तक शांति ट्रंप-स्कार जीता नहीं हुआ है और ट्रंप ने एक बार फिर अपनी उस अद्भुत क्षमता का राग छेड़ दिया है, जो पिछले कई महीनों से वे गा रहे हैं।



ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि अगर मेरे पास टैरिफ लगाने की ताकत नहीं होती, तो आज दुनिया में सात में से कम से कम चार जगहों पर युद्ध चल रहे होते। यह कहते हुए उन्होंने फिर से भारत और पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए कहा कि वे लड़ाई के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे और परमाणु शक्तियां बिड़ने को तैयार थीं। ऐसे में ट्रंप ने दावा किया - मैं यह नहीं बताता चाहता कि मैंने ठीक-ठीक क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा, वह बहुत प्रभावी था। हमने न केवल सैकड़ों

अरब डॉलर कमाए, बल्कि टैरिफ की वजह से हम शांति बनाए रखने वाले भी बने। व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मैंने टैरिफ का इस्तेमाल करके युद्ध रुकवाया। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उनके टैरिफ लगाने के फैसले ने न सिर्फ दोनों परमाणु शक्तियों को युद्ध से रोकने में मदद की बल्कि अगर उनके पास टैरिफ का ताकतवर हथियार न होता, तो आज कम से कम सात में से चार जगहों पर युद्ध चल रहे होते। उन्होंने कहा कि टैरिफ न सिर्फ अमेरिका के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहे, बल्कि उन्होंने दुनिया में शांति बनाए रखने में भी मदद की। बता दें कि मई में भारत

कनाडा का मरीनलैंड चिड़ियाघर बदहाल, प्रबंधन ने कहा पैसा नहीं मिला तो मार देंगे 30 व्हेल्स

टोरंटो। कनाडा के नियागा फॉल्स स्थित प्रसिद्ध मरीनलैंड अम्यूजमेंट पार्क यानी चिड़ियाघर लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। यहां रह रहे जानवरों को खाने के भी लाले पड़ गए हैं। ऐसे में पार्क प्रबंधन ने सीधे तौर पर धमकी दी है कि पैसों के अभाव में यहां जानवर भूख से मर रहे हैं। उन्हें ऐसे तिल तिल मरते देखने से अच्छा है उन्हें मार दिया जाए। यदि फंड नहीं मिला तो यहां रहने वाली 30 व्हेल्स को मार देंगे। अगर सरकार ने तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की तो पार्क प्रबंधन अपनी 30 बेलुगा व्हेल्स को इच्छामृत्यु (यूथनाइज) कर देगा।



यह धमकी तब आई जब कनाडा की मत्स्य पालन मंत्री जोआन थॉम्पसन ने इन व्हेल्स को चीन के चिमेलिंग ओशन किंगडम थीम पार्क भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। मरीनलैंड जो कभी पर्यटकों और परिवारों से गुलजार रहता था, अब कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और दिवालिया होने की कगार पर खड़ा है। दरअसल, मरीनलैंड एक विशाल चिड़ियाघर और मनोरंजन पार्क है। लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में यहां जानवरों के साथ क्रूरता के गंभीर आरोप लगे हैं, जिसके कारण यह कड़ी निगरानी के दायरे में है। पिछले साल जनता के लिए बंद कर दिए जाने के बाद से पार्क अपनी संपत्ति बेचने की कोशिश कर रहा है। कनाडा में ये आखिरी बंदी व्हेल्स हैं, और प्रबंधन का दावा है कि उनकी देखभाल

के लिए संसाधनों की कमी हो गई है। मंत्री थॉम्पसन ने निर्यात अनुमति से इनकार करते हुए कहा कि इससे इन बेलुगाओं के साथ दुर्व्यवहार की प्रथा जारी रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से मरीनलैंड में 20 व्हेल्स की मौत हो चुकी है। इनमें एक किलर व्हेल और 19 बेलुगा शामिल हैं। यही वह साल था जब कनाडा की विधायिका ने एक विधेयक पारित किया, जो बाद में कानून बन गया। इस कानून के तहत व्हेल, डॉल्फिन या पोर्पीइज को बंदी बनाकर रखना अवैध हो गया, जिसमें

1,50,000 डॉलर तक का जुमाना लग सकता है। निरीक्षकों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि खराब जल गुणवत्ता के कारण पार्क के सभी जानवर संकट में हैं। **कनाडा सरकार ने फंड ने से किया इनकार** - रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्क प्रबंधन ने शुक्रवार को संघीय सरकार को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि अगर कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला तो प्रबंधन को यह मानना पड़ेगा कि अनुरोध नकार दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें इच्छामृत्यु के विनाशकारी

निर्णय का सामना करना पड़ेगा। मंत्री थॉम्पसन ने इस अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने जवाब में लिखा कि मरीनलैंड ने वर्षों तक इन व्हेल्स को कैद में रखने के वावजूद कोई वैकल्पिक योजना नहीं बनाई, इसलिए इन खर्चों को वहन करने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि व्हेल्स का प्राकृतिक निवास महासागर है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कैद में पाले गए समुद्री स्तनधारियों को बिना व्यापक योजना के महासागर में वापस नहीं छोड़ा जा सकता।

बांग्लादेश लौटकर चुनाव लड़ेंगे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 26 साल बाद अपने देश लौट रहे हैं। 58 वर्षीय रहमान ने कहा है कि वह जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे और चुनाव लड़ेंगे। तारिक रहमान पिछले 26 साल से लंदन में रह रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर बीएनपी चुनाव जीतती है तो वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनेंगे। दरअसल, अवामी लीग पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक है, ऐसे में बीएनपी की जीत की अटकलें लगाई जा रही हैं।



दूसरी ओर अंतरिम सरकार के कार्यवाहक अध्यक्ष मुहम्मद युनुस ने कहा है कि चुनाव आले साल फरवरी तक होंगे। बांग्लादेश में दो रह इन सभी घटनाक्रमों पर भारत कड़ी नजर बनाए हुए है। जब 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सत्ता में थी, तब सीमा सुरक्षा के मुद्दों और भारत विरोधी अतंकवादी समूहों को पनाह देने के आरोपों को लेकर भारत के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण थे।

चटगांव के सीएफएल जेटी पर दस ट्रक हथियार मिलने के बाद भारत ने 2004 में इस मामले पर चिंता जताई थी। भारत ने कहा था कि ये हथियार पूर्वोत्तर में सक्रिय अलगाववादी समूहों के लिए थे। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि शेख हसीना के सत्ता से वेदखल होने के बाद बांग्लादेश के साथ संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थिति चाहे जो भी हो, ढाका के साथ बातचीत जारी रहनी चाहिए और दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाना होगा।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में 35 फीसदी बढ़ोतरी, यूएन ने जाहिर की चिंता

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे में प्रगति की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा परिषद की महिला, शांति और सुरक्षा पर वार्षिक चर्चा में उन्होंने कहा, पूरे विश्वास और प्रतिबद्धता के साथ हम अक्सर इस तरह से इकट्ठा होते हैं, लेकिन जब संघर्ष में फंसी महिलाओं और लड़कियों के जीवन में वास्तविक बदलाव की बात आती है, तब हम हमेशा पीछे रह जाते हैं। हम सुरक्षा की बात करते हैं, फिर भी यौन हिंसा ब्रेखोक जारी रहती है। हम नेतृत्व की बात करते हैं, फिर भी महिला शांतिदूतों को कम पैसे मिलते हैं, उन्हें खतरा है, और उन्हें कम मान्यता मिलती है। इससे न केवल महिलाओं को, बल्कि पूरे समाज को नुकसान होता है, फिर चाहे महिलाएं नई या पुरुष, लड़कियां हों या लड़कें। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि महिलाओं, शांति और सुरक्षा के एजेंडे पर सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1325 को अपनाए



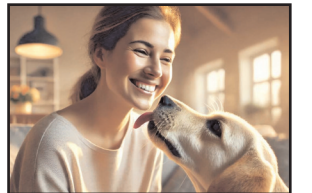
जाने के पच्चीस साल बाद भी, स्थिति काफी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सैन्य खर्च और सशस्त्र संघर्षों में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन महिलाओं व लड़कियों के खिलाफ हिंसा के चिंताजनक रुझान देखने को मिल रहे हैं। बीते साल, 67.6 करोड़ महिलाएं जानलेवा संघर्ष की घटनाओं से 50 किमी के दायरे में रह रही थीं, जो दशकों में सबसे अधिक संख्या है। लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संकटग्रस्त क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर बढ़ रही है। लड़कियों को स्कूल से निकाला जा रहा है। सार्वजनिक

जीवन में महिला राजनेताओं, पत्रकारों और मानवाधिकार रक्षकों को हिंसा और उत्पीड़न का निशाना बनाया जा रहा है। यूएन महासचिव गुटेरेस ने कहा कि महिला, शांति और सुरक्षा के एजेंडे की बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक महिलाएं शांति समझौतों, सुरक्षा सुधारों और पुनर्वास योजनाओं को आकार दे रही हैं; अधिक संख्या में पीड़ित सेवाओं और सैन्य तक पहुंच रहे हैं। गुटेरेस ने कहा, महिलाएं सभी के लिए शांति की दूत हैं। दुनिया को इस सच्चाई की ओर याद दिलाने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसे प्रतिबिंबित करने वाले और अधिक परिणामों की आवश्यकता है।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संकटग्रस्त क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर बढ़ रही है। लड़कियों को स्कूल से निकाला जा रहा है। सार्वजनिक

पर्यटक कुत्तों पर टैक्स लगाने का दिया सुझाव, तो छिड़ी बहस

बोल्जानो। आजकल इटली का शहर बोल्जानो विवादास्पद प्रस्ताव को लेकर सुर्खियों में है। यहां की स्थानीय परिषद ने पर्यटक कुत्तों पर टैक्स लगाने का सुझाव दिया है, जिसने बहस छेड़ दी है। स्थानीय परिषद के सदस्य लुइस वाल्टर ने यह प्रस्ताव रखा है कि जो भी पर्यटक अपने कुत्ते को बोल्जानो लेकर आएंगे, उन्हें प्रति दिन 1.50 यूरो (लगभग रुपये 135) टैक्स देना होगा। वहीं, शहर में रहने वाले नागरिकों को हर साल 100 यूरो (करीब रुपये 8,500) का शुल्क अदा करना होगा। दिलचस्प बात यह है कि यह टैक्स पहले भी 2008 तक लागू था, लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया था। अब इसे 2026 से दोबारा लागू करने की तैयारी की जा रही है। वाल्टर का कहना है कि शहर की सबसे बड़ी समस्या कुत्तों का मल है, जो न केवल सड़कों को सफाई बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी चुनौती बन चुका



है। उनका तर्क है कि सफाई का खर्च पूरे समाज पर डालना उचित नहीं है, जबकि गंदगी की जिम्मेदारी खासतौर पर कुत्तों के मालिकों पर आती है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि टैक्स से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल सड़क और सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा कुत्तों और उनके मालिकों के लिए नई सुविधाएं और पार्क बनाने में किया जाएगा। गौरतलब है कि बोल्जानो में पहले से ही कुत्तों का डीएनए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। इस नियम के जरिए यह पता लगाया जाता है कि अगर कोई मालिक अपने पालतू का मल साफ नहीं करता तो उसे चिन्हित किया जा सके। नए

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि जिन लोगों ने डीएनए टेस्ट के लिए पहले से पंजीकरण कराया है, उन्हें दो साल तक टैक्स से छूट दी जाएगी। हालांकि, यह प्रस्ताव आते ही सोशल मीडिया और स्थानीय जनता की राय बंट गई। कुछ लोगों ने इसे सही ठहराते हुए कहा कि कुत्तों के मालिक अक्सर सफाई की जिम्मेदारी से बचते हैं और टैक्स से शहर को फायदा होगा। वहीं, पशु अधिकार समूह आइडा ने इसे पागलपन बताते हुए विरोध जताया है। संगठन का कहना है कि पूरे इटली में कहीं भी ऐसा टैक्स लागू नहीं है, इसलिए यह कदम गलत परंपरा शुरू करेगा। सबसे बड़ा विरोध खुद शहर के मेयर क्लाउडियो कोएराती ने किया। उन्होंने कहा कि बोल्जानो में ऐसा टैक्स लागू नहीं होगा और उन्होंने कुत्ता पालने वालों का स्वागत करते हुए इसे अनुचित बताया।

इतिहास
1595 कैम्ब्राज में फ्रांस पर स्पेन ने कब्जा किया था।
1761 रूस ने बर्लिन पर अपना अधिकार कर लिया।
1877 उड़ीसा के प्रसिद्ध क्रांतिकारी नेता गोप बंधु दास का जन्म।
1931 भारतीय वायुसेना अस्तित्व में आई।
1934 यूगोस्लाविया नरेश अलेक्जेंडर की हत्या मार्सेलेस फ्रांस में हुई।
1941 प्रादेशिक सेना का गठन हुआ।
1971 भाषा परमाणु अनुसंधान केंद्र (मुंबई) में यूरेनियम का उत्पादन शुरू हुआ।
1972 अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सलाहकार और वियतनामी प्रतिनिधि के बीच पेरिस में गुप्त शांतिवार्ता शुरू हुई।
1987 काबुल में एक मस्जिद के पास कार बम विस्फोट में 27 व्यक्ति मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए।
1981 हंगरी की नयी सोशलिस्ट पार्टी ने लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।
1992 जन.ए.एस.वैद्य के हत्यारे जिंदा व सुक़्खा को फांसी दी गई।
1993 दक्षिण कोरिया में यात्री नौका डूबने से 285 व्यक्ति मारे गए।
2000 तांसी जमीन घोटाले में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता को तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा।
2005 भूकंप से भारत के कश्मीर में मरनेवालों की संख्या 1 हजार तक पहुंची तथा पाकिस्तान के कश्मीर वाले हिस्से में लगभग 30 हजार लोग मारे गए।

बच्चों के नामकरण को लकजरी बिजनेस बनाया महिला ने

लंदन। आमतौर पर लोग बच्चे का नाम तय करने के लिए परिवार के बुजुर्गों, धार्मिक ग्रंथों, ज्योतिषी या इंटरनेट का सहारा लेते हैं। लेकिन अमेरिका की एक महिला ने इसे अपना करियर और लकजरी बिजनेस बना लिया है। अमेरिकी महिला टेलर ए. हंफ्री सैन फ्रांसिस्को में रहती हैं और पेशे से एक बेबी नेम कंसल्टेंट यानी बच्चों को नाम सुझाने वाली सलाहकार हैं। टेलर की दिलचस्पी बचपन से ही नामों में थी। करीब दस साल पहले उन्होंने इस शौक को सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्हें लोगों से नाम के सुझाव मांगने के लिए मैसेज आने लगे और इसी तरह उनका यह शौक बिजनेस में बदल गया। आज टेलर के इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और वह अब तक 500 से अधिक बच्चों के नाम सुझा चुकी हैं। उनकी फीस पैकेज के हिसाब से तय होती है और यह बिल्कुल भी आम नहीं है। सबसे



सस्ता पैकेज 200 डॉलर यानी लगभग 16 हजार रुपये का है, जिसमें वह ईमेल के जरिए नामों की एक लिस्ट भेजती हैं। वहीं, सबसे महंगा पैकेज 30,000 डॉलर यानी करीब 26.6 लाख रुपये का है। इस एक्सक्लूसिव पैकेज में वह सिर्फ नाम ही नहीं सुझाती, बल्कि परिवार के वंशक्रम, ब्रांडिंग और नाम की पूरी रिसर्च करती हैं। टेलर के क्लाइंट्स में हार्ड-प्रोफाइल सेलेब्रिटीज, अमीर परिवार और ऐसे पैकेज के हिसाब से तय होती है और यह बिल्कुल भी आम नहीं है। सबसे

यूनिक रखना चाहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेलर का कहना है कि उनका काम सिर्फ नाम चुनना नहीं है। कई बार माता-पिता आपस में बच्चे के नाम को लेकर सहमत नहीं होते, ऐसे में वह एक मध्यस्थ या काउंसलर की तरह भी काम करती हैं। उनके मुताबिक, नाम बच्चे की पहचान और भविष्य को प्रभावित कर सकता है, इसलिए माता-पिता इस फैसले को बहुत गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि कभी-कभी यह काम काफी भावनात्मक और जरूरी बन जाता है।

इंजीनियरिंग इकाई फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन (एफडब्ल्यूओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत अमेरिका की यह कंपनी पाकिस्तान में 50 करोड़ डॉलर (करीब 4,200 करोड़ रुपये) का निवेश कर खनिज प्रोसेसिंग और डेवलपमेंट फैसिलिटीज स्थापित करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, जो सैपल अमेरिका भेजे गए हैं, वहां एफडब्ल्यूओ के सहयोग से स्थानीय रूप से तैयार किए गए थे। यूएसएसएम ने कहा कि यह डिग्रीवी अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी की दिशा में एक अहम कदम है। कंपनी ने कहा कि यह समझौता खनिजों की पूरी वैल्यू चेन: खोज, प्रोसेसिंग और रिफाइनिंग सुविधाओं के विकास के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करेगा है। यूएसएसएम अमेरिकी राज्या मिसौरी स्थित कंपनी है, जो महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन और रीसाइक्लिंग का काम करती है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को भेजे दुर्लभ खनिज, विरोधियों ने सीक्रेट डील पर मांगी जानकारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहली बार दुर्लभ (रेयर अर्थ) और अहम खनिजों की खेप अमेरिका भेजी है। यह खेप अमेरिका उस समझौते के तहत भेजी गई है जो बीते महीने एक अमेरिकी कंपनी के साथ पाकिस्तान के खनिज संसाधनों की खोज और विकास के लिए हुआ था। इस समझौते और रेयर अर्थ मिनरल्स की खेप को अमेरिका भेजने का पाकिस्तान में विरोध शुरू हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरिक-ए-इंसाफ ने अमेरिका के साथ हुए सीक्रेट डील पर चिंता जाहिर की है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका भेजी गई सैपल खेप में एंटीमोन, कॉपर कॉन्सन्टेंट और रेयर अर्थ मिनरल्स जैसे नियोडाइमियम और प्रैजियोडिमियम शामिल हैं। अमेरिकी कंपनी से पाकिस्तान की डील - सितंबर में अमेरिकी कंपनी यूएस स्टैटैजिक मिनरल्स (यूएसएसएम) ने पाकिस्तान की सैन्य



वियतनाम में भारी बारिश के बीच ही अपने कुत्ते को लेकर पानी से भरी सड़क से निकलते हुए एक व्यक्ति। (फोटो)

यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह को सम्मानित करते हुए दिल्ली क्राइम प्रेस टीम लीडर

मुजफ्फरनगर में दिल्ली क्राइम प्रेस के जिला कार्यालय पर आज हुआ ट्रेनिंग प्रोग्राम जिसमें मुख्य रूप से पहुंचे दिल्ली से असिस्टेंट चीफ ब्यूरो व रिपोर्टर राजकुमार कश्यप, मुजफ्फरनगर यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह को सम्मानित करते हुए दिल्ली क्राइम प्रेस टीम लीडर्स सभी ने अपने-अपने विचार रखते हुए कहा की सभी साथी लग्न व ईमानदारी के साथ कार्य करें और जल्द से जल्द अपना न्यू प्रमोशन प्राप्त करने की कोशिश करें इस अवसर पर यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा दिल्ली क्राइम प्रेस टीम बहुत अच्छा कार्य कर रही है और हम



दिल्ली क्राइम प्रेस के साथ हैं और सभी दिल्ली क्राइम प्रेस से जुड़े हुए कार्यकर्ता यातायात नियमों का पालन करें हम आप सभी के सेवा में तत्पर तैयार रहते हैं और दिल्ली क्राइम प्रेस की सराहना करते हुए दिल्ली क्राइम प्रेस टीम लीडर्स ने स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर

सम्मानित करते हुए न्यूज सपोर्टर मिंटू पाल, एरिया एडवाइजर रवि शंकर सैनी, रिपोर्टर महेश प्रजापति, निखिल सैनी, सतेंद्र सैनी पंडित सतीश कौशिक आदेश कुमार सोनवीर सिंह संजय कुमार ललिता सिंह कार्यकर्ता व काफी संख्या में मौजूद रहे

दोन वासियों का एक ही नारा काम नहीं तो वोट नहीं

पश्चिमी चंपारण में जिला रामनगर के दोन क्षेत्र में पूरे थारू समाज सहित सभी ग्राम वासी ने वोट देने का बहिष्कार करने का विचार बना रहा है। बिहार में MLA का चुनाव होने वाला है, जिसमें सभी दल के नेता गण दौड़ लगा रहे हैं। दोन वासियों का कहना है कि हमारे वहां बिजली, पानी, सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, वनाधिकार, की समस्या जस का तस बना हुआ है, जब भी चुनाव आता है 100% का बादा हर बार करते और चुनाव के बाद सभी वादे भुला देते। ग्राम बेतहानि, पिपरा दोन, बेलातांडी, रुपवालिखा, बनकटवा, शेरवा, शीतलबरी,



सेमराहनी, चंपापुर, नरकटिया, भुवरहवा, दोकनी, चूल्हाइया बर-वाडीह, गोबरहिया, नौरंगिया के सभी लोग एकत्रित होकर अपनी अपनी बात रखी दिल्ली क्राइम प्रेस के रिपोर्टर हरिंद्र शर्मा को सभी ग्राम वासी बुलाकर अपना

समस्या सुनाया और प्रार्थना किया कि आप खबर के माध्यम से बिहार सरकार को हम सभी ग्राम वासी की समस्या को पहुंचाए। इसी सब को लेकर सभी ग्राम वासी चुनाव में वोट देने को बहिष्कार कर रहे हैं

दिल्ली क्राइम प्रेस में नई पदोन्नति : चंदन सिंह बने जिला एडवाइजर

दिल्ली क्राइम प्रेस, जो आज देशभर में एक सशक्त मीडिया संगठन के रूप में कार्यरत है, लगातार अपनी टीम को मजबूत बना रहा है। इसी क्रम में चंदन सिंह ने अपनी सक्रियता, निष्ठा और संगठन के समर्पण के बल पर जिला एडवाइजर के पद पर पदोन्नत हुए हैं। इस पदोन्नति पर चंदन सिंह ने दिल्ली क्राइम प्रेस टीम को संबोधित करते हुए यह बताया कि-मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि आज मेरा प्रमोशन जिला एडवाइजर के पद पर हुआ है। यह सम्मान मेरे लिए सिर्फ एक



पद नहीं, बल्कि मेरे साथियों के विश्वास और सहयोग की पहचान है। मैं दिल्ली क्राइम प्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व, अपनी पूरी टीम और उन

सभी साथियों का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया और मुझ पर भरोसा जताया। अब मेरा उद्देश्य और भी स्पष्ट है - सच्चाई और न्याय की आवाज को और बुलंद करना - समाज में पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना

दिल्ली क्राइम प्रेस के साथ मेरा यह नया सफर समाज के हित में समर्पित रहेगा।

चंदन सिंह जिला सलाहकार दिल्ली क्राइम प्रेस



सुपीरियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बरेली जिला प्रशासन को दो स्कूटी सप्रेम भेंट किया



ब्रह्मपुरी सी.ओ सौम्या अस्थाना से दिल्ली क्राइम रिपोर्टर शाहिद हसन और उनकी टीम ने शिष्टाचार भेंट की



मुजफ्फरनगर थाना नई मंडी इस्पेक्टर श्री बृजेश शर्मा जी के आमंत्रण पर मिलने पहुंचे संयुक्त व्यापार मंडल के पदाधिकारी

तलोद की निजानंद पार्क सोसायटी में नालियों ओवरफ्लो होने से सोसायटी के लोगो में भारी रोष

साबरकांठा जिले के व्यावसायिक केंद्र, तलोद नगर के कॉलेज रोड स्थित निजानंद पार्क सोसाइटी में नालियाँ ओवरफ्लो होने के बावजूद, नगरपालिका कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक बदबू और प्रदूषित पानी सार्वजनिक सड़कों पर बह रहा है, जिससे जल जनित बीमारियाँ फैलने की आशंका है, जिससे सोसाइटी के निवासियों में रोष है। तलोद नगरपालिका भाजपा शासित है। हाल ही में हुए चुनावों में, भाजपा उम्मीदवारों ने मतदाताओं से खोखले वादे किए थे कि सड़कों, सीवरेज, स्ट्रीट लाइटों और सफाई के मुद्दों पर कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सत्ता और जनता के वोट हासिल करने के बाद, उन्होंने सोसाइटी के निवासियों को लगातार रूताने की स्थिति में छोड़ दिया है। पूरे मानसून में सीवर लाइनें हर दिन ओवरफ्लो हो रही हैं। प्रदूषित सीवेज का पानी सार्वजनिक सड़कों पर वापस आ गया है। सोसायटी के निवासियों द्वारा नगर पालिका में बार-बार गुहार लगाने के बावजूद, निर्वाचित प्रतिनिधियों या नगर पालिका प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया है, जिससे सोसायटी के निवासियों में भारी रोष है। यह भी चर्चा है कि यदि नगर पालिका द्वारा ओवरफ्लो सीवर की समस्या का शोध समाधान नहीं किया गया, तो सोसायटी के निवासी उग्र आंदोलन करेंगे। बॉम्बे - नगर पालिका प्रशासन की अक्षमता अभूतपूर्व



नमूना तालोद नगर स्थित निजानंद पार्क सोसायटी में, स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक भूखंड के पास से गुजर रही सीवर लाइन में दो लाइनों को न जोड़ने के विरोध में प्रदर्शन किया था। परन्तु, नप स्वच्छता विभाग के अधिकारियों की अक्षमता और अयोग्यता के कारण, कनेक्शन ऐसे जोड़ दिया गया मानो नेवा का पानी पानी ऊपर उठाने के लिए निकला हो, और आज सोसायटी के

निवासियों को प्रदूषण और बदबू की समस्या झेलनी पड़ रही है। प्रदूषित पानी सार्वजनिक सड़कों पर घंटों तक जमा रहता है, जिससे जलजनित कीड़ों का उपद्रव हो रहा है। जिससे बीमारी फैलने की भी आशंका है। कॉलेज रोड स्थित निजानंद पार्क सोसाइटी में वर्षों से नालियों के ओवरफ्लो होने की समस्या बनी हुई है। नगर पालिका ने मानो अपना पेट फाड़कर दर्द पैदा कर दिया हो,

जिस सीवर लाइन से पानी नहीं निकल पा रहा है, उससे दूसरी लाइन का कनेक्शन जोड़कर दोनों तरफ से दबाव के कारण नालियाँ ओवरफ्लो हो रही हैं। नगर पालिका में स्पष्ट बहुमत से सत्तासीन भाजपा की टीम अपना काम ऐसे कर रही है मानो उसने प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन का झंडा बुलंद कर दिया हो, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है और अंधेरी नगरी और गंदे राजा को फिलहाल एक समस्या के रूप में देखा जा रहा है। न.पा.उपाध्यक्ष, स्वच्छता विभाग ने किया दौरा कॉलेज रोड स्थित निजानंद पार्क सोसाइटी में सीवर लाइनों के ओवरफ्लो होने की समस्या को लेकर आज नप उपाध्यक्ष सहित स्वच्छता विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके का दौरा किया और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। लेकिन अब देखना यह है कि क्या इस ओवरफ्लो सीवर लाइन की समस्या का स्थायी समाधान होगा या फिर चिराग तले अंधेरा छा जाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन फिलहाल सोसायटी के निवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया है। आने वाले दिनों में नवरात्रि नजदीक आ रही है, ऐसे में सोसायटी के हित में यही माना जाएगा कि इस ओवरफ्लो सीवर लाइन की समस्या का तुरंत समाधान हो।

दिल्ली क्राइम न्यूज जीतुभा राठौड़ साबरकांठा गुजरात

जोनल एडवाइजर बनने पर किया पूरी टीम का बहुत-बहुत धन्यवाद



मुजफ्फरनगर में दिल्ली क्राइम प्रेस कश्यप जी मालाये पहनकर व से सलेंद्र सैनी न्यू प्लान में जोनल एडवाइजर बनने पर बिजनौर से आए हुए रामनाथ सिंह और दिल्ली से आए हुए ग्रेट लीडर राजकुमार



दिल्ली क्राइम की टीम राजस्थान के वारां जिले में टीम लीडर मेहनत कर रहे हैं जिसमें सुमन जी अजित सिंह जी, प्रदीप सिंह जी, हेमराज जी पर्दीप मिश्र जी और उनकी टीम दिल्ली क्राइम का परचम लहरा रहे हैं



दिल्ली क्राइम के ऑफिस खुलने की तैयारी कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले के चिंतामणि टाउन में स्टेट प्रेसिडेंट फिरोज पाशा जी अपनी टीम के लीडरों नेताजी सिंह, मंसूर पाशा जी नासिर हुसैन, अमजद जी और अपनी टीम के मेहनती कार्यकर्ताओं के साथ पूरी तैयारी के साथ जुटे हुए हैं



नर्सिंग कॉलेज ने फीस की हकमी के चलते बेटी की पढ़ाई में बाधा डाली

‘सबलपुर बीतरा में गड्डों से भरी सड़क, विभाग का दावा- कोई रिकॉर्ड नहीं’

सबलपुर बीतरा की पूर्वी दिशा में कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क वर्षों से जर्जर हालत में, शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं बिजनौर जिले के सबलपुर बीतरा ग्राम की पूर्व दिशा में स्थित सड़क, जो कई आसपास के गांवों को जोड़ती है, कई वर्षों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जगह-जगह गड्डों से भरी यह सड़क बारिश के मौसम में पानी भर जाता है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही है। स्थानीय पत्रकार लव कुमार ने मुख्यमंत्री हेलपलाइन में कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क की हालत



इतनी खराब हो गई है कि वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एम्बुलेंस तक इस रास्ते से आने से इनकार कर देते हैं, जिससे आपातकालीन स्थितियों में जान का खतरा बढ़ जाता है। जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। हमारी शिकायतों का कोई असर नहीं हो रहा।" संबंधित विभाग के अधिकारियों का दावा है कि उनके पास इस सड़क का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। सवाल उठता है कि यदि रिकॉर्ड नहीं है, तो 10 साल पहले यह सड़क किसने बनाई थी? यह मामला जांच का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मरम्मत कराने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय पत्रकार लव कुमार

"दिल्ली क्राइम प्रेस के योद्धा: लव कुमार की नौ साल की अनथक यात्रा"

लव कुमार को नौ वर्ष पूरे होने की हार्दिक बधाई: एक समर्पित पत्रकार का सफर दिल्ली, 9 अक्टूबर 2025

प्रिय लव कुमार भाई, आज जब मैं कलम उठा रहा हूँ, तो मन में एक गर्व का भाव उमड़ रहा है। दिल्ली क्राइम प्रेस के आपके इस समर्पित साथी के रूप में, आज आपका यह नौवाँ वर्ष पूरा हो गया है झ एक ऐसा पड़ाव जो न केवल आपके व्यक्तिगत संघर्ष और लगन का प्रतीक है, बल्कि भारतीय पत्रकारिता के उस योद्धा भाव का भी, जो भ्रष्टाचार की काली दीवारों को तोड़ने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। नौ साल! यह कोई साधारण संख्या नहीं है। यह उन अनगिनत रातों का लेखा-जोखा है जो आपने खबरों की तलाश में जागकर बिताई, उन सड़कों का प्रमाण है जहाँ आपने अपराध की सच्चाई को उजागर किया, और उन आवाजों का सम्मान है जो समाज के कोने-असकने वाले हिस्सों से उठती हैं। दिल्ली क्राइम प्रेस झ यह नाम ही एक मिशन है। 2005 से चली आ रही यह संस्था, जो 'दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा' के बैनर तले काम करती



है, न केवल एक समाचार पत्र है, बल्कि एक आंदोलन है। यह उन लाखों सदस्यों की ताकत है जो पूरे भारत में फैले हुए हैं, जो पत्रकारिता को जमीनी स्तर पर पहुँचाने का संकल्प लिए हुए हैं। और आप लव कुमार, इसके अभिन्न अंग हैं। पिछले नौ वर्षों में आपने जो योगदान दिया है, वह शब्दों में बर्णन करना आसान नहीं आपकी कलम ने न केवल खबरें लिखीं, बल्कि न्याय की मशाल जलाई है।

याद है, जब आपने पहली बार दिल्ली क्राइम प्रेस से जुड़ने का फैसला किया था? वह उत्साह, वह जिम्मेदारी का बोझ झ सब कुछ आज भी ताजा है। नौ सालों में आपने असफलताओं का सामना किया, चुनौतियों से जूझे, लेकिन

कभी हार नहीं मानी। आज, जब आप इस मील के पथर पर खड़े हैं, तो पूरा समुदाय झ आपके सहकर्मी, पाठक, और भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के सभी योद्धा झ आपके साथ खड़े हैं। आपकी मेहनत ने न केवल आपको एक बेहतरीन पत्रकार बनाया, बल्कि हजारों लोगों को प्रेरित भी किया। दिल्ली क्राइम प्रेस जैसे मंच पर काम करना आसान नहीं; यहाँ हर खबर एक जंग है, हर स्टोरी एक हथियार। और आपने इसे बखूबी निभाया है।

लव कुमार, यह नौवाँ वर्ष आपके लिए एक नई शुरुआत का संकेत है। आने वाले वर्षों में आपकी कलम और तेज चमके, आपकी रिपोर्टिंग और गहराई छुए, और आपका मिशन और मजबूत हो झ यही हमारी कामना है। दिल्ली क्राइम प्रेस का हर सदस्य, हर पाठक, और मैं व्यक्तिगत रूप से आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। आप पर गर्व है! चलते रहिए, क्योंकि सच्ची पत्रकारिता कभी रुकती नहीं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित, दिल्ली क्राइम प्रेस परिवार



राजस्थान में नए कार्यकर्ता अजीत सिंह को कार्ड पहनाते हुए एरिया एडवाइजर प्रमोद सुमन

सुपीरियर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज आपदा पीड़ितों के साथ-चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

जम्मू-कश्मीर में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा-बाढ़ और भूस्खलन-के समय सुपीरियर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने सरकार के साथ मिलकर राहत कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। समूह के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने राज्य के पीड़ित परिवारों के लिए मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। इस कठिन समय में सुपीरियर ग्रुप ने आगे आकर 600 से अधिक तिरपाल, 100 गद्दे और 100 किचन सेट जरूरतमंद परिवारों को उपलब्ध कराए। इस सहयोग से न केवल प्रभावित परिवारों को तात्कालिक राहत मिली, बल्कि औद्योगिक जगत को भी प्रेरणा मिली कि वे समाज और सरकार के साथ खड़े होकर संकट की घड़ी में योगदान दें। प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि यह हमारी एक छोटी-सी पहल है। हमें विश्वास है कि इससे और भी उद्योगपति आगे आएंगे और जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ मिलकर आपदा पीड़ितों की सेवा करेंगे। स्थानीय स्तर पर रोजगार और सेवा के नए अवसर हाल ही में कटुआ जिले में सुपीरियर ग्रुप ने सुपीरियर पॉलिमर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड यूनिट स्थापित की है। इस यूनिट से राज्य में न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है, बल्कि आमजन की सेवा और आर्थिक मजबूती का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। प्रशासन ने की सराहना डीसी जम्मू और डीसी साबा ने सुपीरियर ग्रुप के इस मानवीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की अन्य औद्योगिक इकाइयों को भी इससे सीख लेनी चाहिए कि असली उद्योगपति वही है जो मानव सेवा के लिए हमेशा आगे



रहता है। समाज सेवा ही सर्वोच्च लक्ष्य सुपीरियर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के सीएचआरओ एवं कॉरपोरेट अफेयर्स प्रमुख डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने कहा, चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन सदैव समाज की बेहतरी और विकास के लिए कार्यरत रहते हैं। सुपीरियर ग्रुप हर परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। डॉ. मिश्रा ने आगे सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्य केवल हमारा नहीं, बल्कि उन सभी का है जिन्होंने इस पुनीत पहल में योगदान देने का अवसर दिया।



बचत की हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

M : 9650098792

8882973594

Dhirendra Kumar Pandey
(Insurance Advisor)

भारतीय जीवन बीमा निगम

Branch Office : 310, 86, Janpath, Connaught Place, New Delhi - 110001
Resi.: B-54, Ground Floor, Brajwasi Colony, Sultanpur, New Delhi - 110030
E-mail : dhirendrakumar070@gmail.com

9312727252
9871950533

SUNSHINE
COMMUNICATION

MOBILE REPAIR

Wholesale & Retail All Mobile Accessories
Data Cable, Charger Headphone, Touch
Folder, OSI, Tempered Cover, Lamination

SECOND HAND PHONE GOOD CONDITIONS

gamri road Hansraj dairy k-11/1

एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में पुरकाजी पुलिस ने बेहतरीन कारनामे को दिया अंजाम

मुजफ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल एवं मार्गदर्शन में पुरकाजी थानाध्यक्ष जयवीर सिंह व उनकी टीम लगातार आरोपीयो के खिलाफ अपराध उन्मुलन अभियान चलाए हुए है और इस अभियान में सफलताओं की झड़ी भी लगा रही है। विदित हो कि थानाध्यक्ष जयवीर सिंह की कार्यप्रणाली की विशेषता है कि वे अपने हर कार्य को बखूबी अंजाम देते हैं और आज भी पुरकाजी पुलिस ने सफलता प्राप्त करते हुए आमजन से ब्यूटी प्रोडैक्ट कंपनी में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले 03 आरोपीयो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे वे निशान्देही पर 04 करोड़ से अधिक मूल्य के ब्यूटी प्रोडैक्ट्स, 01 कार, फर्नीचर आदि बरामद कर जन्त किया हैं। यह पुरकाजी पुलिस टीम की बड़ी सफलता मानी जा रही है। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन मेरठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत, क्षेत्राधिकारी सदर डॉ० रविशंकर एवं थानाध्यक्ष पुरकाजी जयवीर सिंह के कुशल नेतृत्व में घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक



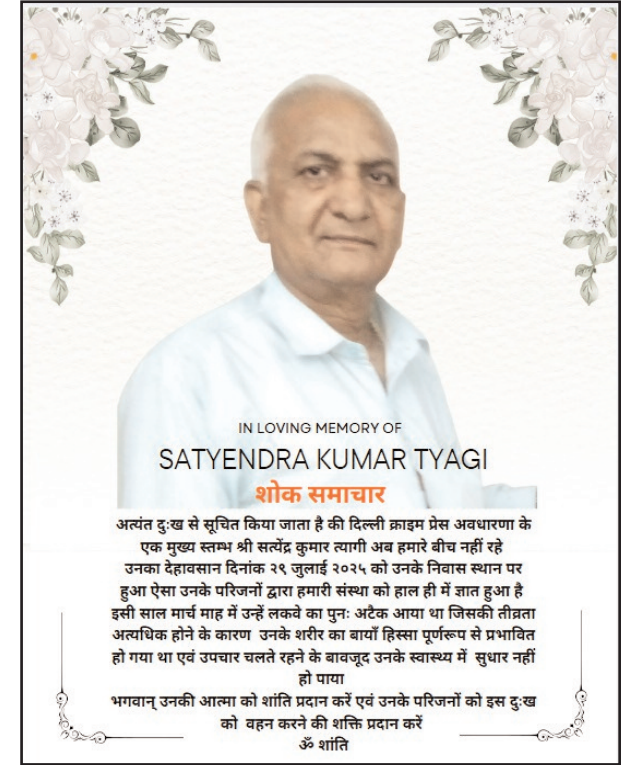
05.10.2025 को कुछ पीडितों निवेशकों द्वारा थाना पुरकाजी पुलिस को लिखित तहरीर देकर अवगत कराया गया कि अमित कुमार गौतम तथा उसके अन्य साथियों द्वारा SENEMI CONSULTING PRIVATE LIMITED COMPENY में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गयी है। थाना पुरकाजी पुलिस द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किय गया तथा उच्चाधिकारिगण के निर्देशन में थाना पुरकाजी पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आज मुखबिर की सूचना पर उक्त अभियोग में बांछित आरोपी को धमात नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 04 करोड़ से अधिक मूल्य के ब्यूटी प्रोडैक्ट्स, 01 कार, फर्नीचर आदि बरामद जन्त किये

गये हैं। गिरफ्तार अमित कुमार गौतम पुत्र धीरज सिंह निवासी ग्राम खेडकी थाना पुरकाजी, मुजफ्फरनगर वे डॉ० शदाब पुत्र उस्मान निवासी मो० झोझगान कस्बा व थाना पुरकाजी, मुजफ्फरनगर वे सरफराज पुत्र यामीन निवासी मो० झोझगान कस्बा व थाना पुरकाजी मुजफ्फरनगर हैं। पकड़े गये आरोपी के कब्जे से 01 नेक्सांन कार, फर्नीचर, आफिस का सामान ब्यूटी प्रोडैक्ट्स अनुमानित कीमत करीब 04 करोड़ 13 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गये आरोपी का अपराध करने का तरीका- गिरफ्तार अमित कुमार गौतम उपरोक्त द्वारा अपनी पत्नी वंदना के साथ मिलकर SENEMI CONSULTING PRIVATE LIMITED नाम से एक फर्म खोली गयी थी। इस फर्म में आमजन से 16 महीनों में पैसों को ढाई गुना करने का लालच देकर उनसे निवेश कराया गया

तथा उन्हे एक एग्रीमेंट साइन कर दिया गया जिससे लोगों को विश्वास हो जाये। साथ ही निवेशकों को बताया गया कि और अधिक लोगों को इसमें जोड़ने पर आपको अतिरिक्त लाभ मिलेगा। आरोपी अमित द्वारा शदाब सरफराज व अन्य साथियों के माध्यम से भी आमजन से इस फर्म में 120 करोड़ से अधिक रूपयों का निवेश कराया गया तथा निवेशकों के पैसों हड़प लिये गये। जिसमें सेनेमी ब्रांड के नाम से

ब्यूटी प्रोडैक्ट्स व अन्य घरेलू सामान बनवाकर बेचने की योजना बनाई गयी तथा कई स्थानों पर मार्ट खोले गये। आरोपी द्वारा ज्वालापुर हरिद्वार में एक मकान किराये पर लेकर एक वेयर हाउस बनाया गया। आरोपी द्वारा निवेशकों का विश्वास बनाये रखने के निशान्देही से ज्वालापुर हरिद्वार से गिरफ्तार आरोपी को पुरकाजी पुलिस ने जेल भेज दिया हैं।

रिपोर्टर महेश कुमार प्रजापति।



IN LOVING MEMORY OF

SATYENDRA KUMAR TYAGI

शोक समाचार

अलंत दुःख से संचित किया जाता है की दिल्ली क्राइम प्रेस अवधारणा के एक मुख्य स्तम्भ श्री सत्येंद्र कुमार त्यागी अब हमारे बीच नहीं रहे उनका देहावसान दिनांक २९ जुलाई २०२५ को उनके निवास स्थान पर हुआ ऐसा उनके परिजनों द्वारा हमारी संस्था को हाल ही में ज्ञात हुआ है इसी साल मार्च माह में उन्हें लकवे का पुनः अटक आया था जिसकी तीव्रता अत्यधिक होने के कारण उनके शरीर का बायाँ हिस्सा पूर्णरूप से प्रभावित हो गया था एवं उपचार चलते रहने के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो पाया भगवान् उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें एवं उनके परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ॐ शांति

दिल्ली क्राइम प्रेस का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बढ़ता हुआ परिवार

मुजफ्फरनगर पचेडा रोड बारात घर के सामने समाजसेवी शेखर टंडन व आदेश कुमार के ऑफिस पर पहुंचे दिल्ली क्राइम प्रेस टीम लीटर सत्येंद्र सैनी ने दिल्ली क्राइम नेशनल हिंदी न्यूज पेपर के बारे में अवगत कराकर आदेश कुमार को दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचारविरोधी मोर्चा नेशनल हिंदी न्यूजपेपर की आजीवन सदस्यता दिलाते हुए



JITENDRA KUMAR RAY
Mob. : 9971314907
9818082049

J.K. SECURITY SERVICES

Head Office:- R-168, Street No. 54, Moral Band Extensions, Badarpur, New Delhi
Branch Office:- 120 Rajeev Nagar, DLF Industrial Area, Faridabad

E-mail : jk.kumargroup@gmail.com

Sumit dhiryan 8178479406, Anil Gautam 8851050134

GSTIN:- 07AQ XPMO 700E3ZW

Helpline no 01169270264

ELECTRONICS गोदाम



Wholesale
&
Retail

UPTO 70% OFF

सौरभ की दुकान

महालक्ष्मी एन्क्लेव, करावल नगर बांच

महालक्ष्मी एन्क्लेव, करावल नगर बांच

मेन रोड, करावल नगर, विशाल मेगा मार्ट के सामने, दिल्ली - 110094

हमारे नए अचीवर



चंदन सिंह
डिस्ट्रिक्ट एडवाइजर



मुकेश गुप्ता
जोनल एडवाइजर



ओम शुक्ला
जोनल एडवाइजर



अशोक कुमार
जोनल एडवाइजर



सत्येंद्र सैनी
जोनल एडवाइजर



लव कुमार
जोनल एडवाइजर



प्रमोद सुमन
एरिया एडवाइजर



सावित्री सिंह
एरिया एडवाइजर



अनीता
एरिया एडवाइजर



सुशीला देवी
एरिया एडवाइजर



फिरोज पाशा
एरिया एडवाइजर



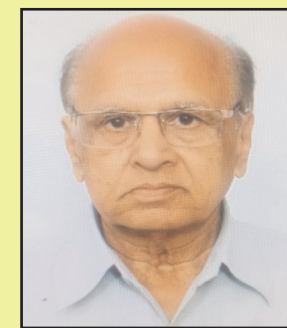
मोहित गंगवार
एरिया एडवाइजर



रथावा रूमाल भाई
न्यूज सपोर्टर



कमलेश भाई बाबू भाई
राठौड़ / न्यूज सपोर्टर



शिवकुमार गुप्ता
न्यूज सपोर्टर



उदित कश्यप
न्यूज सपोर्टर



शिवराज वर्मा
न्यूज सपोर्टर



प्रिंस प्रसाद
न्यूज सपोर्टर



दादू परदादा जायसवाल
न्यूज सपोर्टर



धर्मेन्द्र कुमार सिन्हा
न्यूज सपोर्टर



संतोष कुमार
न्यूज सपोर्टर



करणवीर
न्यूज सपोर्टर



नेताजी सिंह
न्यूज सपोर्टर



रामसनेही गुप्ता
न्यूज सपोर्टर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा : फिंच

सिडनी (ईएमएस)। रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरे विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है। फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारूप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड



दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा, शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड

के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह

के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसके बार रोहित और कोहली के होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

विराट और रोहित को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए शायद ही टीम में जगह मिले : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। वहीं गावस्कर ने रोहित की जगह पर शुभमन गिल को भी कप्तान बनाये जाने का समर्थन किया है। गावस्कर के अनुसार भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कमान दिया जाना सही है। रोहित और विराट दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है और केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं। दोनो ही 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। गावस्कर का कहना है कि इन दोनो को ही कई कारणों से टीम में जगह मिलना संभव नजर नहीं आता। दोनो को ही उम्र बढ़ रही है जिससे फिटनेस पर भी प्रभाव पड़ता है। इन दोनो को हालांकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रखा गया है पर ये लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रि



केट खेलते नजर आएंगे। गावस्कर ने कहा, मैं चयन समिति से यहां सहमत हूं क्योंकि हमें विश्वकप की ओर देखने की जरूरत है। हमें एक युवा कप्तान की जरूरत है क्योंकि हमें नहीं पता कि रोहित विश्व कप खेलने के लिए फिट होंगे भी या नहीं। गावस्कर ने कहा, रोहित और विराट एकदिवसीय ही खेल रहे हैं। वहीं अगर अगर कार्यक्रम देखें तो पायेंगे कि भारत टेस्ट और टी20 के

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ



नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग दिसंबर में शुरू होगी, पहली बार भारतीय क्रिकेटर्स के शामिल होने की संभावना



कोलंबो। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आएंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और

दांबूला के रणगीरी दांबूला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस लीग में पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के भी शामिल होने की उम्मीद है हालांकि ये पता नहीं चला है कि कौन से क्रिकेटर इसमें खेलेंगे। अगर इसमें भारतीय क्रिकेटर खेलते हैं तो लीग का आकर्षण और बढ़ जाएगा। इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रैंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अभिषेक सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को पुरुष वर्ग जबकि स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में जगह मिली है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक को हाल ही में एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने के कारण आईसीसी की सूची में जगह मिली। अभिषेक ने एशिया में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन शतक लगाये। वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे। वहीं स्पिनर कुलदीप ने एशिया में सबसे अधिक विकेट लिए। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनोमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए। वहीं



जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। वहीं महिला वर्ग में मंधाना ने सितंबर में चार एकदिवसीय मैचों में ही 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत

77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज एक अर्धशतक और दो दशक लगाये। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में शामिल हैं।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, अभ्यास मैच में मुश्रीर को बल्ला लेकर मारने दौड़े

पुणे। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का विवादों से पुराना नाता रहा है। हाल में मुम्बई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेल रहे पृथ्वी यहां एक अभ्यास मैच में अपने पुराने साथियों से भिड़ गये। महाराष्ट्र और मुम्बई के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के मुश्रीर खान को मारने तक दौड़ गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मैच में पृथ्वी शतक लगाने के बाद मुश्रीर की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 220 गेंदों पर 181 रन बनाये थे। जैसे ही यह मैदान से बाहर आये। मुम्बई के कुछ खिलाड़ियों ने उनसे अपशब्द कहे। इस पर पृथ्वी भी भड़क गये और मुश्रीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। तब अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया।



पृथ्वी की पहले सिद्धेश लाड के साथ हुई थी। इसके बाद ये मामला बढ़ गया। पृथ्वी पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं और इससे उनका करियर भी खतरे में पड़ा है। अब जबकि वह पटरी पर आते नजर आये तो एक बार फिर नये विवाद में फंस गये। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है। भारतीय टीम से बाहर होने

के बाद घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। इसी कारण उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद ही वह मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेलने लगे थे। इसके बाद से ही उनका प्रदर्शन कुछ सुधारा है। उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया जिससे उनकी टीम पहले दिन 400 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

स्पेन के अनुभवी डिफेंडर जोर्डि आल्बा सीजन के अंत में पेशेवर फुटबॉल से लेंगे संन्यास

मियामी। बार्सिलोना और स्पेन की राष्ट्रीय टीम के अनुभवी डिफेंडर जोर्डि आल्बा ने घोषणा की है कि वह मौजूदा सत्र के अंत में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेंगे। स्पेनिश लेफ्ट-बैक आल्बा 2023 से मेजर लीग सांक्रो की टीम इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 14 गोल और 38 असिस्ट दर्ज किए हैं। उनके योगदान से इंटर मियामी ने लीग्स कप और सपोर्टर्स शिल्ड जैसे खिताब अपने नाम किए। आल्बा ने क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, हूयह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है, जिस पर मैं लंबे समय से विचार कर रहा था। मुझे लगता है कि अब सही समय है एक नया व्यक्तिगत अध्याय शुरू करने का और अपने



परिवार के साथ समय बिताने का, इतने सालों की पेशेवर फुटबॉल की मांगों के बाद। उन्होंने आगे कहा, मैं इंटर मियामी में अपने समय से बेहद खुश हूँ और प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। टीम की सफलताओं का हिस्सा बनना और क्लब की प्रगति के साथ जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं सीजन को सर्वश्रेष्ठ तरीके से समाप्त करूँ और प्लेऑफ में टीम को अपना सर्वस्व दूँ। आल्बा ने अपने करियर

की शुरुआत वलेंसिया से की थी और इसके बाद बार्सिलोना के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। बार्सिलोना के साथ उन्होंने छह ला लीगा खिताब, कई घरेलू कप, यूईएफए चैंपियंस लीग और फीफा क्लब विश्व कप जीते। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के लिए उन्होंने 2012 यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप और 2022-23 यूईएफए नेशंस लीग खिताब जीता था। **जोर्डि आल्बा का करियर संक्षेप में:** क्लब: बार्सिलोना, वलेंसिया, इंटर मियामी। **प्रमुख उपलब्धियां:** 6 ला लीगा, 1 चैंपियंस लीग, 1 फीफा क्लब विश्व कप। **अंतरराष्ट्रीय खिताब:** यूरो 2012, नेशंस लीग 2022-23।

स्पिन गेंदबाज कोच सुनील जोशी ने पंजाब किंग्स को छोड़ा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग टीम पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाज कोच सुनील जोशी ने इस्तीफा दे दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोशी ने निजी कारणों से कोच पद छोड़ा है। जोशी आईपीएल 2023 से पहले ही पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच बने थे। आईपीएल से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, वह पंजाब की टीम छोड़ रहे हैं क्योंकि वह बेंगलुरु में अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं। जोशी मुख्य कोच अनिल कुंबले के कार्यकाल के समय भी पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच थे। इस्



के बाद वह भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता और फिर सीनियर चयन पैनल के सदस्य बने। जोशी ने 1996

से 2001 के बीच भारत के लिए 15 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

महिला विश्वकप में अब दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी भारतीय टीम

-विशाखापत्तनम में 9 और 12 अक्टूबर को होंगे मुकाबले

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब 9 और 12 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते हैं और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। विशाखापत्तनम की पिच से बल्लेबाजों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए ये भारतीय टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। इसका कारण है कि अभी तक भारतीय बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। भारतीय टीम को अपने दोनो मैच विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेलने हैं। इस मैच पर 11 साल के बाद कोई महिला एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) के एक अधिकारी ने कहा, अगर आप आईपीएल सहित पिछले कुछ मैचों पर नजर डालें तो यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए सहायक रही है। इसमें अगर ओस नहीं होगी तो गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों को मैच आगे बढ़ने पर कुछ सहायता जरूर मिलेगी। यहां टी20 पुरुष क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और आईपीएल में आम तौर पर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। इससे अब



तक रनों के लिए संघर्ष कर रही भारतीय महिला टीम का उत्साह और बढ़ने की संभावना है। अब तक श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम को 250 के करीब रन बनाने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा था। इस दौर उसकी कई प्रमुख बल्लेबाज रनों के लिए जूझती दिखी थीं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 12 अक्टूबर को होने वाले मैच से पहले एसीए-वीडीसीए

स्टेडियम के स्टैंड को पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज और विकेटकीपर रवि कल्पना का नाम दिया जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ ने एक बयान में कहा, मिताली और कल्पना को एसीए की सहायता उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिन्होंने भारत में महिला क्रिकेट को नया रूप दिया है और साथ ही अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है।



स्पेन में यूईएफए महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई बार्सिलोना की एसमी ब्रुगिटस व बेयर्न की मेगडलीना। (फोटो)

पीएम ने 35 हजार करोड़ की कृषि योजनाओं की शुरूआत की, मोदी बोले- हमने बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में कृषि क्षेत्र के लिए 35 हजार 440 करोड़ की दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने पीएम 11,440 करोड़ की दाल उत्पादन मिशन योजना और 24 हजार करोड़ की पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि, कृषि और खेती हमेशा हमारे विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। समय के साथ यह जरूरी है कि कृषि को सरकार का समर्थन मिलता रहे। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ दिया था। पीएम ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को तेजी से विकसित करने के लिए हमारी कृषि प्रणाली में सुधार आवश्यक था। यह काम 2014 में शुरू हुआ। हमने पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदला। बीज से लेकर बाजार तक, किसानों के लाभ के लिए अनगिनत सुधार किए।

पिछली सरकारों ने पिछड़े जिलों को भुलाया - पीएम मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने देश के 100 से अधिक जिलों को पिछड़ा घोषित किया, फिर उन्हें भुला दिया। हमने इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया, इन्हें आशास्यद जिले घोषित किया। इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से बदला। यहां की 20 प्रतिशत बस्तियों में स्वतंत्रता के बाद भी सड़क नहीं थी। आज इन बस्तियों का



अधिकांश हिस्सा सड़कों से जुड़ चुका है। पहले यहां के 17 प्रतिशत बच्चों को टीक-करण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

दूध के प्रोडक्शन भारत नंबर 1 - पीएम ने कहा कि भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ

है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फटीलाईजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरिगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंची। पीएम फसल बीमा योजना से

लगभग 2 लाख करोड़ के क्लेम मिले।

10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन - पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि सिर्फ कुछ उपलब्धियों से संतुष्टि नहीं होती। यदि हम विकसित बनना चाहते हैं, तो हमें हर क्षेत्र में लगातार सुधार करना होगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना इसी सोच का परिणाम है।

मुंबई में कबूतरों के मामले पर जैन मुनि के बयान से राजनीतिक माहौल गरमाया

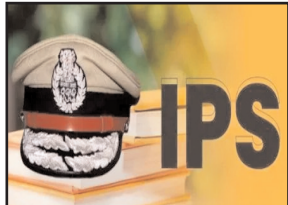
मुंबई। मुंबई में कबूतरों से फैली बीमारियों के विवाद में अब राजनीति भी जुड़ गई है। जैन समुदाय द्वारा नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा और साथ ही विवादित बयानों ने माहौल गरमा दिया है। जी.हां मुंबई में कबूतरों से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर इन दिनों भारी हंगामा मचा हुआ है। इसी के मद्देनजर शनिवार दिनांक 11 अक्टूबर को जैन समुदाय द्वारा एक विशेष धार्मिक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जैन मुनि नीलेश ने जैन कल्याण पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की। उन्होंने कहा, अब हमें भी अपना संगठन चाहिए। हमारे उम्मीदवार नगर निगम में खड़े होंगे। कबूतरों की भी एक पार्टी होनी चाहिए। जैसे शिवसेना का बाघ है, वैसे ही हमारा चुनाव चिन्ह कबूतर हो सकता है। इसके बाद जैन मुनि केवल्य रत्न महाराज ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा, मुझे लगता है कि डॉक्टर

और वैज्ञानिक मूर्ख हैं। एक-दो लोगों के मरने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। हजारों आम नागरिक रोज मरते हैं, सरकार उनके बारे में नहीं सोचती। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा, जैन समुदाय सबसे ज्यादा करदाता है। उनके इस बयान से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में रोष की लहर दौड़ गई है। शिवसेना विधायक मनीषा कायदे ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, क्या इन साधुओं ने उन लोगों के बारे में सोचा है जो कबूतरों के कारण पीड़ित हुए और मारे गए? कई लोग फेफड़ों की बीमारियों से मर जाते हैं। क्या उनके घरों में कबूतरों की तस्वीरें हैं? क्या वे कबूतरों की पूजा करते हैं? हर जानवर पूजनीय नहीं होता। अगर घर में चूहा आ जाए, तो हम उसे गणेश जी का वाहन नहीं बनाते। इसलिए, इस तरह के बयान गैर-जिम्मेदाराना हैं। मनीषा कायदे ने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दें। जैन साधुओं के

बयानों पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए अविनाश अय्यकर ने जैन समुदाय की आलोचना की। उन्होंने पूछा, क्या आप सिर्फ इसलिए मुंबई पर मालिकाना हक जताते हैं क्योंकि आप टैक्स देते हैं? मराठी लोग मुश्किल से जीते हैं और किसी को धोखा देकर देश नहीं छोड़ते। दूसरे प्रांतों को जमीन दी इसलिए क्या आप मुंबई पर मालिकाना हक जताएंगे? उन्होंने आगे कहा, अगर आप अहिंसक व्यक्ति हैं और कहते हैं कि कुछ लोगों के मरने से कोई फर्क नहीं पड़ता, तो आपकी राय हास्यास्पद है। तो फिर जिस मंदिर में आप बैठते हैं, उसकी जालियाँ हटा दीजिए। डॉक्टर, वैज्ञानिक मूर्ख नहीं हैं। मुंबई में कबूतरों से फैली बीमारियों के विवाद में अब राजनीति भी जुड़ गई है। जैन समुदाय द्वारा नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा और साथ ही विवादित बयानों ने माहौल गरमा दिया है और सबकी नजर इस बात पर है कि इस विवाद के राजनीतिक परिणाम क्या होंगे।

यूपी सरकार ने देर रात चार आईपीएस के तबादले कर दी नई जिम्मेदारी

-विक्रांत को लखनऊ में डीसीपी मध्य बनाया, रह चुके हैं कई अहम पदों पर लखनऊ। यूपी सरकार ने शुक्रवार देर रात चार आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस फेरबदल में 2014 बैच के आईपीएस अफसर विक्रांत वीर को लखनऊ में डीसीपी मध्य की जिम्मेदारी दी है। इससे पहले वह पुलिस मुख्यालय से अटैच थे। मूलरूप से बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले विक्रांत वीर ने 1997 में झारखंड के पलामू से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की। इसके बाद मुंबई के मरीन इंजीनियरिंग कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई पूरी की और मचेंट नेवी में नौकरी की। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने यूपीएससी की तैयारी जारी रखी और 2014 में आईपीएस में चयनित हुए। आईपीएस बनने के बाद उनकी पहली तैनाती कानपुर में बतौर एएसपी हुई। इसके बाद वे फैजाबाद और बलिया में एएसपी के पद पर रहे। उन्होंने लखनऊ



(ग्रामीण) में एसपी के रूप में कार्य किया और वहां अपने सख्त अनुशासन व बेहतर टीमवर्क के लिए जाने गए। उन्होंने हाथरस और उन्नाव जिलों में बतौर एसपी सेवाएं दीं। विक्रांत वाराणसी कमिश्नरेट में डीसीपी (वरुणा जोन) के रूप में भी तैनात रहे, जहां उन्होंने कई संवेदनशील अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया। उनकी सख्त लेकिन संवेदनशील कार्यशैली की सराहना पुलिस महकमे में की जाती है। वहीं अब राज्य सरकार ने उन्हें लखनऊ कमिश्नरेट के मध्य क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी है, जो शहर का सबसे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण इलाका है। उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में मध्य जोन में कानून-व्यवस्था और दैहिक प्रबंधन को और मजबूत बनाया जाएगा।

कांग्रेस ने नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली मारिया की तुलना राहुल गांधी से की

नई दिल्ली। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। इसे बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने उनकी तुलना राहुल गांधी से की है। राजपूत ने संकेत दिया कि जैसे मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए संघर्ष करने पर यह सम्मान मिला है, वैसे ही राहुल गांधी भी भारत में संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। राजपूत ने एक्स पर मचाडो और राहुल गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा- इस बार नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्ष की नेता को संविधान की रक्षा के लिए दिया गया है। भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश के संविधान को बचाने की लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने मचाडो को तानाशाही से लोकतंत्र में शांतिपूर्ण बदलाव और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए एव सम्मान दिया। पिछले साल हुए चुनावों में धांधली के आरोपों के बाद मचाडो को छिपकर रहना पड़ा, फिर भी वे वेनेजुएला की विपक्ष को एकजुट रखने में सफल रहीं। वहीं, भारत में कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी मौजूदा एनडीए सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। वे हाल के महीनों में वोट चोरी, बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने, ईवीएम हैकिंग, पिछड़े वर्गों के आरक्षण को खत्म करने की साजिश जैसे मुद्दे उठा चुके हैं। इंडिया गठबंधन के गठन के बाद समूचा विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट है।

दिल्ली सीएम रेखा ने फ्रंटलाइन वर्कर्स को 1-1 करोड़ की सहायता राशि देकर किया नमन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के सबसे कठिन समय में दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना जनसेवा में डटकर रहना चुना। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता (फ्रैंड्स स्ट्रेंड्स) ने आज दिल्ली सचिवालय में उन 11 दिवंगत फ्रंटलाइन वर्कर्स के परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने महामारी के दौरान अपनी जान गंवा दी है। दिल्ली सरकार ने इस मौके पर कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रज सिंह की मौजूदगी में यह कदम उठाया, जो कोरोना योद्धाओं के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

CM रेखा ने कहा- आज हम उनकी सेवा भावना को नमन करते हैं - सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ये योद्धा अपनी ड्यूटी को सर्वोपरि रखते हुए मानवता की रक्षा के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर चुके थे। उन्होंने कहा कि, आज हम उनकी सेवा भावना को



नमन करते हैं। यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक है, बल्कि उन अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है, जब पूरा शहर लॉकडाउन में था।

महामारी के दौरान अथाह समर्पण - सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मुलाकात के दौरान इन परिवारों से संवाद किया है। उन्होंने कहा

कि, इनकी कहानियां दिल्ली के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय हैं। आज के 11 मामलों में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और सफाईकर्मी शामिल हैं, जिनकी जान ड्यूटी पर लगी। सरकार ने पहले ही घोषणा की थी कि ऐसे सभी मामलों में 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, और यह

प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

1 करोड़ की दी सहायता राशि - दिल्ली सरकार ने इन 11 परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की, जो केवल पैसे का लेन-देन नहीं, बल्कि उन बलिदानों का सम्मान है। सीएम ने चेक सौंपते हुए भावुक हो गईं और कहा, यह राशि आपके खोए हुए सदस्य की यादों को जीवित रखने में मदद करेगी। सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है। पहले की सरकारों में प्रक्रियागत देरी के कारण यह राशि लंबित थी, लेकिन अब दिल्ली सरकार ने इसे सरल बनाकर तुरंत वितरित किया। यह कदम 10 अक्टूबर 2025 को घोषित योजना का हिस्सा है, जिसमें और भी परिवारों को जल्द लाभ मिलेगा। मंत्री रविंद्र इंद्रज सिंह ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में सरकार सहयोग करेगी।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक — नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक अनिल सेठी

हमारे स्वतंत्र व सत्यापित रिपोर्टर

- राजकुमार कश्यप (दिल्ली)
- मुकेश गुप्ता (दिल्ली)
- अशोक कुमार (गुरुग्राम)
- राम नरेश (कुशीनगर)
- मो.शरीफ (दिल्ली)
- अभिषेक कुमार (दिल्ली)
- राज हुसैन (कुशीनगर)
- ध्रुव सेठी (पंजाब)
- विक्रमादित्य सिंह (सीधी)
- त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा (सीधी)
- रूप सिंह (दिल्ली)
- सावित्री सिंह (सीधी)
- निखिल सैनी (मुजफ्फरनगर)
- सत्येंद्र सैनी (मुजफ्फरनगर)
- रविकरन सिंह अलीगढ़ (उ. प्र)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

61/9 अशोक नगर दिल्ली - 110018

Customer Care No.
8744884766

ADVERTISEMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE	HALF PAGE	QUARTER PAGE
FULL FRONT PAGE		₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE		₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE		₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE		₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER		₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK		₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT		₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER		₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK		₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

दिल्ली क्राइम के एडमिन हेड मुकेश गुप्ता का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया

दिल्ली क्राइम प्रेस के एडमिन हेड मुकेश गुप्ता का जन्मदिन दिल्ली क्राइम नेशनल एन.जी.ओ के चावड़ी बाजार ऑफिस में नेशनल को-ऑर्डिनेटर मीनाक्षी निगम ने बड़ी धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कई लीडर व अन्य लोगों ने उन्हें कई सारे तोहफे दिए, इसके बाद मुकेश गुप्ता द्वारा केक काट कर सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया गया। इस अवसर पर दिल्ली क्राइम प्रेस की नेशनल को-ऑर्डिनेटर मीनाक्षी निगम,



एन.जी.ओ दिल्ली स्टेट हेड अभिषेक कुमार, न्यूज एसोसिएट व सामाजिक कार्यकर्ता राजेश शर्मा जी, मीना कुमारी समाज-सेविका, रेखा जी समाज-सेविका, राजिया

जी समाज-सेविका, दिव्या जी समाज-सेविका, मनु भाई, विक्की जी, विकास जी, पलक जी, ऋषि निगम रिपोर्टर आदि लोग मौजूद रहे।

मैं ब्रांड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती : दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 में अपने स्टाइल और सादगी से सभी का ध्यान खींच लिया। मुंबई में चल रहे इस इवेंट में उन्होंने न सिर्फ अपने लुक से सबका दिल जीता, बल्कि फैशन और ब्रांड्स को लेकर अपने बेबाक विचार भी साझा किए। दिव्यांका ने बताया कि वह ब्रांड्स को लेकर कभी जुनूनी नहीं रहती। उन्होंने कहा, मैं ब्रांड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं वहीं चीज खरीदती हूँ जो मुझे पसंद आती है, चाहे वह किसी भी ब्रांड की हो। मेरे लिए सबसे जरूरी यह है कि वह चीज मुझे सूट करे और मेरे व्यक्तित्व के अनुरूप हो। फैशन की अपनी परिभाषा बताते हुए दिव्यांका ने कहा, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। यह जरूरी नहीं कि वह महंगा या बहुत शानदार हो। अगर कोई आउटफिट आंखों को भाता है और पहनने में सहज लगता है, तो वही मेरे लिए फैशन है। जो चीजें आकर्षक होने के साथ आराम भी देती हैं, वही उसली



स्टाइल है। दिव्यांका त्रिपाठी अपने पारंपरिक लुक और ग्रेसफुल अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सार्वजनिक आयोजनों में वह अक्सर भारतीय परिधानों में नजर आती हैं और हर बार अपने स्टाइल से फैन्स को प्रभावित करती हैं। उनके फैशन सेंस की तारीफ सोशल मीडिया पर अक्सर देखने को मिलती है। टीवी जगत में दिव्यांका ने बन्नु में तेरी दुल्हन से कदम रखा था, लेकिन उन्हें घर-घर में पहचान ये है मोहब्बतों में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका से मिली। उनकी यह भूमिका भारतीय टेलीविजन के सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक बन गई। दर्शक उन्हें प्यार से इशिया कहकर बुलाते हैं जैसा कि उनकी ऑनस्क्रीन बेटी शो में पुकारती है। दिव्यांका ने साल 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक मानी जाती है। दोनों सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी फिटनेस, रिश्ते और खुशहाल जीवन से फैन्स को प्रेरित करते नजर आते हैं।

'महाअवतार नरसिंह' की सफलता पर बोले हरमन, भारत एनिमेशन कहानी स्वीकार करने को तैयार

अभिनेता, निमाता और बावेजा स्टूडियोज के प्रमुख हरमन बावेजा का कहना है कि उनकी हालिया एनिमेटेड फिल्म 'महाअवतार नरसिंह' की ऐतिहासिक सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब एनिमेशन आधारित कहानियों को पूरी तरह स्वीकार करने के लिए तैयार है। हरमन, जो हमेशा तकनीक और कहानी कहने के मेल के समर्थक रहे हैं, भारतीय सिनेमा में एनिमेशन को आगे बढ़ाने वाले शुरूआती फिल्ममेकर्स में गिने जाते हैं। उनकी फिल्म 'चार साहिबजादे' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और देश की सबसे सफल एनिमेटेड फिल्मों में शुमार हुई थी।



'महाअवतार नरसिंह' ने रचा इतिहास - हरमन बावेजा के प्रोडक्शन में बनी 'महाअवतार नरसिंह' इस वक्त दुनिया की सबसे बड़ी एनिमेटेड पौराणिक फिल्म बन चुकी है। यह फिल्म न सिर्फ अपने शानदार विजुअल्स बल्कि भावनात्मक कहानी के लिए भी खूब सराही जा रही है। रिपोर्टर के मुताबिक फिल्म ने दुनियाभर में 450 करोड़ से अधिक की कमाई

कर नया रिकॉर्ड बनाया है। हरमन ने फिल्म की सफलता पर कहा, "मैं बेहद खुश हूँ कि महाअवतार नरसिंह को इतना प्यार मिला। हमने 'चार साहिबजादे' तब बनाई थी जब एनिमेशन को मेनस्ट्रीम नहीं माना जाता था। आज दर्शकों का रिसर्प्स बताता है कि अब भारत इनोवेशन को गले लगाने के लिए तैयार है। ये भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक मोमेंट है।

एनिमेशन अब भविष्य नहीं, वर्तमान है - हरमन बावेजा पहले भी विराट कोहली के साथ 'सुपर वी' जैसी लोकप्रिय एनिमेटेड सीरीज बना चुके हैं। उनका मानना है कि एनिमेशन केवल तकनीकी चमत्कार नहीं बल्कि कहानी कहने

का नया अध्याय है। 'एनिमेशन अब भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान है' हरमन मुखरते हुए कहते हैं। "ये हमें अपनी कहानियों, अपने देवताओं और अपने हीरोज को नए दृष्टिकोण से देखने की आजादी देता है। अगर दिल और मकसद सही हो, तो इस मीडियम में अनंत संभावनाएँ हैं।"

नए प्रोजेक्ट्स पर फोकस - बावेजा स्टूडियोज वर्तमान में कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है, जिनमें 'हक' (यामी गौतम, इमरान हाशमी), 'भागवत चैप्टर 1' (जीतेन्द्र कुमार, अरशद वारसी) और 'दिल का दरवाजा खोल न डालिंग' (सिद्धांत चतुर्वेदी, वामीका गम्भी) शामिल हैं।

दे कॉल हिम ओजी ने बाक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

मुंबई। फिल्म दे कॉल हिम ओजी बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की यह फिल्म रिलीज के 10 दिन बाद भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रही है। पवन कल्याण के करियर की यह फिल्म अब तक की सबसे बड़ी हिट साबित हो चुकी है। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही फिल्म को जोरदार प्रतिक्रिया दी है, जिसकी झलक इसके कलेक्शन में साफ दिखाई दे रही है। फिल्म ने रिलीज से पहले ही पेड प्रीव्यू में 21 करोड़ रुपये की कमाई कर मजबूत शुरूआत की थी। पहले दिन दे कॉल हिम ओजी ने टिकट खिड़की पर 63.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो पवन कल्याण के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग में से एक रही। इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन 18.45 करोड़, तीसरे दिन 18.5 करोड़ और चौथे दिन भी 18.5 करोड़ रुपये की कमाई की। इस शानदार शुरूआत के बाद भी फिल्म की रफ्तार कम नहीं हुई। पांचवें से दसवें दिन तक फिल्म ने क्रमशः 7.25 करोड़, 6.75 करोड़, 7.7 करोड़, 4.7 करोड़, 4.75 करोड़ और 5 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। इसके साथ ही देशभर में फिल्म की कुल कमाई 179.05 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, दुनियाभर में इसने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है। इस तरह दे कॉल हिम ओजी पवन कल्याण



के करियर की पहली ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। फिल्म की सफलता की खास बात यह रही कि इसके शरूआती हफ्ते में किसी बड़ी फिल्म से टक्कर नहीं थी। लेकिन अब भी जब त्रयश शेठ्टी की

कांतारा: चैप्टर 1 और वरुण धवन-जाह्नवी कपूर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसी बड़ी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, तब भी ओजी की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ा है। फिल्म लगातार सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित कर रही है। वहीं, कांतारा: चैप्टर 1 ने भी बॉक्स

ऑफिस पर मजबूत शुरूआत की है और अब तक 162.85 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है। इसके बावजूद पवन कल्याण की दे कॉल हिम ओजी अपने दमदार एक्शन, कहानी और सुपरस्टार की लोकप्रियता के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए है।

थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' का ऐलान, ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्मस और प्राइम वीडियो ने मिलाया हाथ

प्राइम वीडियो की बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल ड्रामा सीरीज 'स्टॉर्म' की घोषणा कर दी गई है। इस प्रोजेक्ट के साथ सुपरस्टार ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी एचआरएक्स फिल्मस का एक रोमांचक नया सहयोग शुरू हुआ है। सीरीज का निर्देशन अजीतपाल सिंह कर रहे हैं, जबकि इसकी कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास ने मिलकर लिखी है। 'स्टॉर्म' को ऋतिक रोशन और ईशान रोशन प्रोड्यूस कर रहे हैं, और खास बात यह है कि यह ऋतिक के करियर की पहली ओटीटी सीरीज होगी। इस थ्रिलर ड्रामा में शानदार कलाकारों की टोली नजर आएगी, जिसमें पार्वती थिरुवोथु, आलया एफ, सुष्टि श्रीवास्तव, रमा शर्मा और सबा आजाद मुख्य भूमिकाओं में हैं।



मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है, जो रहस्य और भावनाओं से भरी एक गहन कहानी पेश करेगी। प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट गौरव गांधी ने कहा, "प्राइम वीडियो का उद्देश्य हमेशा ऐसे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मंच देना है जो कुछ नया और असरदार करना चाहते

हैं। हम ऐसी कहानियाँ लाना चाहते हैं जो न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के दर्शकों को जोड़ें। ऋतिक रोशन भारतीय सिनेमा के सबसे टैलेंटेड और दूरदर्शी सितारों में से एक हैं। उनके और एचआरएक्स फिल्मस के साथ काम करना हमारे लिए सम्मान की बात है। 'स्टॉर्म' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक रोमांचक नए सफर की शुरूआत

है, जिससे आगे और भी शानदार प्रोजेक्ट्स सामने आएंगे। इस सीरीज को बनाते समय ऋतिक की विजन और ईशान रोशन की ऊर्जा ने इसे एक नया आयाम दिया है। 'स्टॉर्म' में दमदार महिला किरदार और बेहद आकर्षक कहानी है, जो हमें यकीन है कि वैश्विक स्तर पर दर्शकों को पसंद आएगी।" वहीं ऋतिक रोशन ने कहा, "'स्टॉर्म' ने

मुझे बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी की दुनिया में कदम रखने का एक शानदार मौका दिया। प्राइम वीडियो हमेशा से मेरी पहली पसंद रहा है क्योंकि यह बेहतरीन कहानियों को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाता है। मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर खींचा 'स्टॉर्म' की सच्चाई और गहराई ने अजीतपाल द्वारा गढ़ी गई इस दुनिया में रोमांच, संवेदना और ईंसानी जज्बातों का अद्भुत मेल है। इस सीरीज की कहानी और किरदार इतने मजबूत हैं कि ये भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के हर दर्शक से जुड़ेंगे। मैं बेहद उत्साहित हूँ कि लोग जल्द ही प्राइम वीडियो पर इसे देख सकेंगे।" जैसे-जैसे 'स्टॉर्म' की शूटिंग की तैयारियाँ आगे बढ़ रही हैं, इससे जुड़ी और जानकारी जल्द ही सामने आने की उम्मीद है।

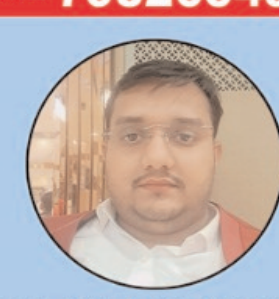
मिलिंद सोमन की पत्नी अंकिता ने ट्रायथलॉन में बनाया रिकार्ड

बॉलीवुड के फिटनेस आइकॉन और एक्टर मिलिंद सोमन की तरह उनकी पत्नी भी काफी टैलेंटेड है। हाल ही में मिलिंद की वाइफ अंकिता कोंवर ने एस्टोनिया में आयोजित आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लिया और इसे पूरा कर इतिहास रच दिया। इस आयोजन में उन्होंने पहली असमिया महिला के तौर पर फुल आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा किया। ऐसे में पत्नी की इस जीत से मिलिंद की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अंकिता की कुछ तस्वीरें शेयर कर उनकी उपलब्धि पर गर्व जताया है। मिलिंद ने सोशल मीडिया में अंकिता की शानदार उपलब्धि की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए और लिखा, अंकिता, तुम आयरनमैन हो। मुझे तुम पर गर्व है। यह तुम्हारा पहला फुल आयरनमैन था और तुमने इसे शानदार तरीके से पूरा किया। तुम पहली असमिया महिला हो, जिसने यह उपलब्धि हासिल की। वाह! हमने इसे साथ में किया, और मेरा दूसरा



आयरनमैन भी 10 साल बाद पहले से तेज रहा। बता दें, मिलिंद और अंकिता ने अप्रैल 2018 में अलीबाग में शादी की थी। कपल की एथलेटिक यात्रा की बात करें तो इससे पहले दोनों ने एस्टोनिया में हाफ आयरनमैन ट्रायथलॉन भी पूरा किया था, जिसमें 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21 किमी दौड़ शामिल थी। इस हाफ आयरनमैन को अंकिता ने 7 घंटे 5 मिनट में समाप्त किया, जबकि मिलिंद ने अंतिम चरण में दौड़ पूरी की।

Helpline No. **7982654944**



ABHISHEK KUMAR
DELHI STATE HEAD

C-1/511, NEW YADAV ENCLAVE, PREM NAGAR-3, NEAR CHAUDHARY BALDEV SINGH MODEL SCHOOL, DELHI-110086



DELHI CRIME

WA

BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA NATIONAL NGO

भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बुलंद आवाज़

NITII AAYOG DARPAN REGN. NO. DL/2020/0260865 REGN. NO. S/RS/DW(SW)/1646/2019

DELHI CRIME PRESS की सदस्यता के लाभ



इच्छुक व्यक्ति समाचार पत्र की आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते हैं।

सदस्यता लेने के बाद मिलने वाले फायदे।

प्रभावशाली गौरवशाली राष्ट्रीय सेवा को समर्पित रोजगार।

निशुल्क विज्ञापन (एक विजिटिंग कार्ड साइज)।

सदस्यता पहचान पत्र व पेन।

दिल्ली क्राइम भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के स्टीकर (कार व बाइक के लिए)।

अपने क्षेत्र में अपने राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या पर लेख समाचार पत्र में प्रकाशित करवाने का सुअवसर।

दिल्ली जर्नलिज्म एंड इन्वेस्टिगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान) से प्रशिक्षण प्राप्त कर पत्रकार बनने का सुअवसर

